



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண பாரதத் திரைப்படம் | தினமணி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूरु से एक साथ प्रकाशित



5 गौतम गंभीर का भारतीय टीम का कोच बनना लगभग तय

6 प्रियंका को वायनाड में भाजपा आसानी से नहीं देगी वाकओवर

7 संसद में प्रियंका की मौजूदगी से कांग्रेस को लाभ होगा : थरुवर

फ़र्स्ट टेक

देशभर के 41 हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की फर्जी धमकी मिली

नई दिल्ली/बाधा। देश के 41 हवाई अड्डों को मंगलवार को बम होने की धमकी वाले ई-मेल मिले, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कई घंटों तक चलाए गए अभियान के बाद इनमें से प्रत्येक को अफवाह घोषित कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक ये ई-मेल अपराह्न करीब 12.40 बजे हवाई अड्डों पर 'एक्सएचएचयू888' नामक ई-मेल आईडी से प्राप्त हुए। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हवाई अड्डों ने बम की धमकी मिलने के बाद आकस्मिक उपाय शुरू कर दिए, जांच की है और संबंधित बम खतरा आकलन समिति की सिफारिशों के बाद टर्मिनलों की तलाशी ली है। दो फर्जी धमकी भरे ई-मेल के पीछे 'कैप्टनआर' नामक एक ऑनलाइन समूह का हाथ होने का संदेह है।

इसरो के रॉकेट ने धरती के वायुमंडल में फिर से प्रवेश किया

बंगलूरु/बाधा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को कहा कि एलवीएम3 एम3/वनवेब इंडिया-2 अभियान में शामिल यान का 'क्रायोजेनिक' ऊपरी हिस्सा पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश कर गया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि लगभग तीन टन वजन की 'रॉकेट बॉडी' 26 मार्च, 2023 को 36 वनवेब उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के बाद 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर कक्षा में रह गयी थी। इसरो ने बताया कि एलवीएम3 की लगातार छठीं सफल उड़ान के तहत इस यान ने ब्रिटेन स्थित मुख्यालय वाले वनवेब से संबंधित 36 उपग्रहों को उनकी वांछित कक्षा में स्थापित किया था।

केरल के मंत्री राधाकृष्णन ने इस्तीफा दिया

तिरुवनंतपुरम/बाधा। हाल के लोकसभा चुनावों में केरल से विजयी होने वाले एलडीएफ के एकमात्र उम्मीदवार और माकपा के वरिष्ठ नेता के. राधाकृष्णन ने मंगलवार को राज्य के मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने अलायंस निर्वाचन क्षेत्र से जीत के बाद केरल के देवरघोष और अनुरूपित जति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा संसदीय कार्य मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया और इस महीने के अंत में उनके नई दिल्ली जाने की उम्मीद है। माकपा की केंद्रीय समिति के सदस्य राधाकृष्णन ने यहां मुख्यमंत्री पिनाराय विजयन को उनके आधिकारिक आवास पर अपना त्यागपत्र सौंपा। अपना इस्तीफा सौंपने के बाद राधाकृष्णन ने संवाददाताओं से कहा कि वह बहुत संतोष के साथ पद छोड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें तीसरी बार लोस भेजने के लिए वाराणसी के लोगों का अभार जताते हुए कहा

'अब तो मां गंगा ने भी मुझे जैसे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

वाराणसी/बाधा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें तीसरी बार लोकसभा भेजने के लिए वाराणसी के लोगों का अभार जताते हुए मंगलवार को कहा, 'अब तो मां गंगा ने भी मुझे जैसे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं।' उन्होंने यह बात यहां मिर्जापुराद के मेहदीगंज में किसान सम्मान सम्मेलन में कही। इसी दौरान प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर देश भर के 9.26 करोड़ किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 17 वीं किस्त के तहत 20 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि अंतरित की।



प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर देश भर के 9.26 करोड़ किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 17 वीं किस्त के तहत 20 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि अंतरित की।

पहली बार बनारस आयल हुई। काशी के जनता जनार्दन के हमार प्रणाम।' मोदी ने कहा, 'बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से एवं काशीवासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का

सौभाग्य मिला है।' उन्होंने कहा, 'काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुन कर धन्य कर दिया है। अब तो मां गंगा ने भी मुझे जैसे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं।'

चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि इस चुनाव ने देश के लोकतंत्र की विशालता, सामर्थ्य एवं व्यापकता तथा भारत में लोकतंत्र के जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत किया।

नीट में 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई हो, उचित समय पर उचित कार्रवाई करें

उच्चतम न्यायालय ने नीट यूजी 2024 रद्द कर इसे दोबारा आयोजित करने की मांग वाली एक याचिका पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

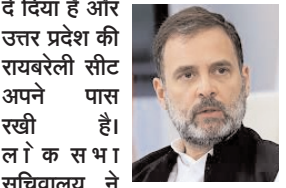
नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने गंभीर अनियमितताओं के आरोपों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2024 रद्द कर इसे दोबारा आयोजित करने की मांग वाली एक याचिका पर मंगलवार को केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से कहा कि भले ही किसी की ओर से 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई हो, उसे स्वीकार करें और विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए उचित समय पर उचित कार्रवाई कर इस मामले को पूरी तरह निपटारा जाना चाहिए।

नीट यूजी 2024

लैंगर में कितनी मेहनत लगती है। हम समय पर कार्रवाई चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने पांच मई 2024 को परीक्षा आयोजित कर चार जून 2024 को परिणाम घोषित करने वाली एनटीए को नसीहत देते हुए कहा, एक एजेंसी के रूप में आपको निष्पक्षता से काम करना चाहिए। यदि कोई गलती हुई है तो 'हो' कहें, यह एक गलती है और हम यह कार्रवाई करने जा रहे हैं। कम से कम यह आपके काम में विश्वास जगाता है। शीर्ष अदालत ने मेडिकल स्नातक स्तर की पढाई के लिए आयोजित नीट यूजी 2024 में अनियमितता के आरोप लगाने वाली इस याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, वह (एनटीए) इस मामले में आत्ममंथन करे।

वायनाड सीट से राहुल गांधी ने दिया इस्तीफा, रायबरेली सीट अपने पास रखी

नई दिल्ली/बाधा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट अपने पास रखी है।



लोकसभा की एक बुलेटिन में कहा गया है कि उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। बुलेटिन में कहा गया है, 'केरल और उत्तर प्रदेश के क्रमशः वायनाड और रायबरेली संसदीय क्षेत्रों से लोकसभा के लिए निर्वाचित राहुल गांधी ने वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया है और उनका त्यागपत्र (लोकसभा) अध्यक्ष द्वारा स्वीकार कर लिया गया है जो 18 जून से प्रभावी माना जाएगा।'

राजनाथ ने की वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात, संसद की रणनीति पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बाधा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संसद के आगामी सत्र के लिए सदन की रणनीति तैयार करने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। इस सत्र में जहां नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अगले पांच साल के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का दृष्टिकोण देश के सामने रखेंगी। सिंह के आधिकारिक आवास पर हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव, पीयूष गोयल, धर्मप्र प्रधान, किरण रिजिजू और अन्नपूर्णा देवी शामिल हुए।

राजग के सहयोगी दलों में जनता दल (यूनियटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)

का जवाब दे सकते हैं। समझा जाता है कि रक्षा मंत्री के आवास पर हुई बैठक में लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवारों पर भी चर्चा हुई। जयदय ने कहा है कि वह अध्यक्ष पद के लिए भाजपा उम्मीदवार का समर्थन करेगी जबकि एक अन्य महत्वपूर्ण सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने इस प्रतिष्ठित पद के लिए सर्वसम्मति से उम्मीदवार की मांग की है। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने अपने उम्मीदवार के लिए विधानसभा उपाध्यक्ष पद की मांग की है जबकि भाजपा अपने गठबंधन सहयोगी को यह पद देने पर विचार कर रही है।

अमेरिका और भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सबसे आगे रहना चाहिए : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बाधा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन की उपस्थिति में कहा कि भारत और अमेरिका को बड़े रणनीतिक हित के हिस्से के तहत महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास में सबसे आगे रहना चाहिए। डोभाल की यह टिप्पणी उनके और सुलिवन द्वारा कुत्रिम बुद्धिमत्ता, रोमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, उन्नत

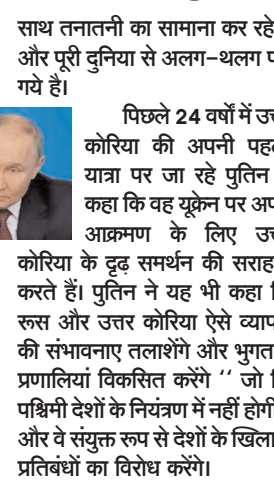


दूरसंचार और रक्षा क्षेत्र के क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को गहरा करने के लिए परिवर्तनकारी पहलों का अनावरण करने के एक दिन बाद आई है। डोभाल ने कहा, 'अगर हमें अपनी मूल्य प्रणालियों की सुरक्षा और बचाव की जरूरत है तो अमेरिका और भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सबसे आगे रहना होगा और यह एक बड़े रणनीतिक हित का हिस्सा है।' राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 'आईसीईटी' (महत्वपूर्ण एवं

उभरती प्रौद्योगिकी पर भारत-अमेरिका की पहल) पर केंद्रित उद्योग से जुड़े गोल्डमैन समेलन को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा आईसीईटी को मई 2022 में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच अधिक सहयोग बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया था। सीआईआई के एक बयान के अनुसार, डोभाल ने अपनी टिप्पणी में प्रौद्योगिकी में उद्योग की भूमिका और आईसीईटी की स्थापना के बाद से इसकी प्रगति पर प्रकाश डाला।

प्रतिबंधों से निपटने के लिए उत्तर कोरिया के साथ मिलकर काम करेंगे : पुतिन

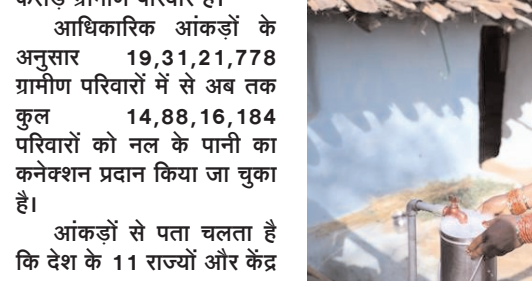
सियोल/एपी। उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर उनकी कार्रवाई का समर्थन करने के लिए किम जोंग उन को धन्यवाद किया और कहा कि दोनों देश अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों से निपटने के लिए मिलकर काम करेंगे। पुतिन दो दिवसीय यात्रा के लिए उत्तर कोरिया पहुंच रहे हैं और उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया में उनकी यह टिप्पणी प्रकाशित की गई है। उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश अमेरिका के



साथ तनातनी का सामना कर रहे हैं और पूरी दुनिया से अलग-थलग पड़ गये हैं। पिछले 24 वर्षों में उत्तर कोरिया की अपनी पहली यात्रा पर जा रहे पुतिन ने कहा कि वह यूक्रेन पर अपने आक्रमण का समर्थन की सराहना करते हैं। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस और उत्तर कोरिया ऐसे व्यापार की संभावनाएं तलाशें और भुगतान प्रणालियां विकसित करेंगे ' जो कि पश्चिमी देशों के नियंत्रण में नहीं होगी' और वे संयुक्त रूप से देशों के खिलाफ प्रतिबंधों का विरोध करेंगे।

देश में 77 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया

नई दिल्ली/बाधा। देश में अब तक करीब 77 प्रतिशत या 14.88 करोड़ ग्रामीण परिवारों को 'नल जल कनेक्शन' उपलब्ध कराया जा चुके हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। जल जीवन मिशन के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश में कुल 19.31 करोड़ ग्रामीण परिवार हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 19,31,21,778 ग्रामीण परिवारों में से अब तक कुल 14,88,16,184 परिवारों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है। आंकड़ों से पता चलता है कि देश के 11 राज्यों और केंद्र



शासित प्रदेशों (यूटी) ने ग्रामीण क्षेत्रों में 'नल जल कनेक्शन' का 100 प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नल जल कवरेज 75-100 प्रतिशत के बीच है और पांच राज्यों में यह कवरेज 50-75 प्रतिशत है।

राजस्थान और पश्चिम बंगाल में यह कवरेज 50 प्रतिशत से कम है। केंद्र सरकार की ओर से 2019 में शुरू किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य 2024 तक ग्रामीण भारत के सभी घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करना है।

राजस्थान और पश्चिम बंगाल में यह कवरेज 50 प्रतिशत से कम है। केंद्र सरकार की ओर से 2019 में शुरू किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य 2024 तक ग्रामीण भारत के सभी घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करना है।

राजस्थान और पश्चिम बंगाल में यह कवरेज 50 प्रतिशत से कम है। केंद्र सरकार की ओर से 2019 में शुरू किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य 2024 तक ग्रामीण भारत के सभी घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करना है।

19-06-2024 20-06-2024
सूर्योदय 6:37 बजे सूर्यास्त 5:43 बजे

BSE 77,301.14 (+308.37)
NSE 23,557.90 (+92.30)

सोना 7,387 रु. (24 केंद्र) प्रति ग्राम
चांदी 96,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com

छोड़ो पीओके
आशंकाएं त्यागो सारी, हंकारो घाटी के लोगों।
त्यागो लिबास दहशतवादी, सुंदर कदकाठी के लोगों।
हो जन्नत के तुम वाशिन्डे, कश्यप परिपाटी के लोगों।
छोड़ो पीओके के बंधन, भारत की माटी के लोगों।



नीट-यूजी परीक्षा विवाद

न्यायालय ने कहा कि मामूली-सी लापरवाही से भी पूरी तरह निपटना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आयोजन में किसी की तरफ से '0.001 प्रतिशत लापरवाही' भी हुई हो, तब भी उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए।

न्यायालय ने कहा कि छात्रों को इन परीक्षाओं की तैयारी करते समय कठोर परिश्रम करना पड़ता है। उसने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक स्तर)-2024 (नीट-यूजी, 2024) से संबंधित मुकदमे को विरोधवादी नही माना जाना चाहिए। न्यायमूर्ति विष्णु नाथ और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अदालत ने कहा कि



सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ताओं से कहा, "अगर किसी की ओर से 0.001 प्रतिशत भी लापरवाही हुई है तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए।" पीठ गत पांच मई को हुई परीक्षा में छात्रों को कृपांक दिए जाने समेत अन्य शिकायतों से संबंधित दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा, "हम सभी जानते हैं कि छात्र विशेष रूप से इन परीक्षाओं की तैयारी करते समय कितना परिश्रम करते हैं।" उसने कहा, "कल्पना कीजिए कि व्यवस्था से धोखाधड़ी करने वाला कोई व्यक्ति चिकित्सक बन जाए। वह समाज के लिए कितना अधिक

घातक है।" पीठ ने एनटीई के वकीलों से कहा, "परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए, आपको दृढ़ रहना चाहिए। अगर कोई गलती है, तो हां यह गलती हुई है और हम यह कार्रवाई करने जा रहे हैं। कम से कम इससे आपके कामकाज में विश्वास तो पैदा होगा।"

अधिकांशों द्वारा समय पर कार्रवाई करने पर जोर देते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ आठ जुलाई को सुनवाई होगी। इनमें वे याचिकाएं भी शामिल हैं जिनमें परीक्षा को नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। उसने कहा कि एनटीई और केंद्र जब नई याचिकाओं पर दो सप्ताह के अंदर अपने जवाब दाखिल करेंगे। जब कुछ याचिकाकर्ताओं की

ओर से पक्ष रख रहे एक अधिवक्ता ने परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न से संबंधित मुद्दा उठाया तो पीठ ने कहा, "वे (एनटीई और केंद्र) इस पर जवाब देंगे।" उसने कहा, "पहले हम आपकी दलीलों का मकसद समझ लें। इन मामलों में हम शाम तक बैठने को तैयार हैं।"

उच्चतम न्यायालय ने नीट-यूजी, 2024 में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने के अनुरोध वाली याचिका पर पिछले सप्ताह केंद्र एवं एनटीई से जवाब मांगा था। केंद्र और एनटीई ने 13 जून को शीर्ष अदालत को बताया था कि उन्होंने एमबीबीएस और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले 1,563 अर्थाथियों को प्रदत्त कृपांक (ग्रेस मार्क) निरस्त कर दिए हैं।



हर व्यक्ति में गुणों को खोजें, उनके अवगुण पर ध्यान न दें : साध्वीश्री उदितयथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा विजयनगर द्वारा 'स्वस्थ समाज स्वस्थ परिवार' के अंतर्गत साध्वीश्री उदितयथाजी के सांख्यिक में अहम भवन में 'मेरा परिवार मेरी जिम्मेदारी' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष मंजू गदिया ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित

करते हुए सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री भव्यशशी ने कहा कि यह कार्यशाला सिर्फ महिलाओं के नहीं लिए ही नहीं अपितु सभी के लिए है जब परिवार स्वस्थ रहेगा तभी समाज स्वस्थ रह सकता है और परिवार स्वस्थ रहे यह परिवार के सभी सदस्य की जिम्मेदारी है। साध्वीश्री शिक्षाप्रभाजी ने विषय पर अपनी प्रस्तुति 'गीतिका के माध्यम से दी।

साध्वीश्री उदितयथाजी ने वर्तमान परिेश में समाज तथा

परिवार में जो हो रहा है उन्हे छोटी-छोटी घटनाओं के माध्यम से बताया। इसके लिए उन्होंने तीन मुख्य टिप्स बताए कि सहन करो सफल बनो, सकारात्मक ऊर्जा का विकास करें तथा दूसरों पर विश्वास करना सीखें। हर व्यक्ति में गुणों को खोजें उनके अवगुण पर ध्यान न दें तथा गुणों के विकास के लिए उसकी प्रशंसा करें। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष सुनित्रा बरडिया ने किया तथा मंत्री दीपिका गोखरू ने धन्यवाद दिया।



स्वाति मालीवाल ने 'इंडिया' के नेताओं को पत्र लिखा, मारपीट मामले पर बातचीत के लिए समय मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी विधायक कुमार द्वारा उनके साथ की गई कथित मारपीट के मामले पर बातचीत के लिए मंगलवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अध्यक्ष जेएलनेशनल डेवलपमेंटल इन्फोसिस अलायंस ('इंडिया') के घटक दलों के नेताओं से समय मांगा।

विपक्षी गठबंधन के, राहुल गांधी और शरद पवार जैसे नेताओं को लिखे पत्र में आम आदमी पार्टी की सदस्य ने शिकायत की कि दुर्व्यवहार के खिलाफ बोलने पर उन्हें 'शमिदा किया गया और

उनका चरित्र हनन' हुआ। उन्होंने लिखा, "समर्थन के बजाय मेरे ही चरित्र पर लगातार सवाल उठाए गये और मेरी अपनी ही पार्टी के नेताओं और स्वयंसेवकों ने प्रताड़ित किया।" मालीवाल ने पत्र में कहा, "पिछले एक महीने में मुझे यह तो अहसास हो गया कि न्याय के लिए संघर्ष करने वाली एक पीड़िता को किस तरह की पीड़ा और अकेलेपन का सामना पड़ता है... मैं इस मुद्दे पर बातचीत के लिए आपका समय चाहती हूँ।" मालीवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राकांपा (शप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार को संबोधित पत्र सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। उन्होंने पत्र में यह भी कहा, पिछले 18 वर्षों से मैंने जमीनी स्तर पर काम किया है और नौ वर्षों में महिला आयोग में 1.7 लाख मामलों में सुनवाई की।

बुनियादी ढांचा, रियल्टी क्षेत्र में दो साल में आएगा 15 लाख करोड़ का निवेश: क्रिसिल

मुंबई/भाषा। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि बांग्लात और रियल एस्टेट क्षेत्र को मार्च, 2026 तक 15 लाख करोड़ रुपये का निवेश मिलने की संभावना है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस निवेश से 50 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और रियल एस्टेट व बांग्लात क्षेत्र में 25,000 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

क्रिसिल रेटिंग्स ने शोध वक्तव्य में कहा, "भारत के प्रमुख बांग्लात क्षेत्र- नवीकरणीय ऊर्जा एवं सड़कें और रियल एस्टेट में निवेश वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान पिछले दो वित्त वर्षों के मुकाबले 38% बढ़कर 15 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है।" उर्जा क्षेत्र में निवेश देश के उर्जा संमिश्रण में अधिक जबकि उर्जा जोड़ने पर केंद्रित होगा जबकि सड़क निवेश का केंद्र सड़कों का जाल बढ़ाने पर होगा। इसके साथ रियल्टी क्षेत्र में निवेश का जोर आवासीय एवं वाणिज्यिक परियोजनाओं पर होगा। क्रिसिल के मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन ने कहा, "इन तीनों क्षेत्रों में अंतर्निहित मांग को गति देने वाले कारक मजबूत बने हुए हैं और नियमित नीतिगत हस्तक्षेप से निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है।"

वायनाड से प्रियंका की उम्मीदवारी पर भाजपा ने साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई ने वायनाड लोकसभा सीट से प्रियंका गांधी वाद्रा को उतारने के कांग्रेस पार्टी के फैसले की मंगलवार को आलोचना करते हुए बुट्टीले अंदाज में कहा कि कांग्रेस पलक्कड विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रियंका के पति रॉबर्ट वाद्रा को उम्मीदवार बनाने पर विचार कर सकती है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और पार्टी के वरिष्ठ नेता वी मुरलीधरन ने इस फैसले के लिए कांग्रेस



नेतृत्व की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने वायनाड की जनता के साथ धोखा किया है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड और रायबरेली दोनों सीटों पर जीत हासिल की थी और अब उन्होंने वायनाड सीट छोड़ने का फैसला किया है जहां से उनकी बहन प्रियंका उपचुनाव में पार्टी की प्रत्याशी होंगी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को यह जानकारी दी।

रिजर्व बैंक के नीतिगत रुख में बदलाव करना जल्दबाजी होगा : शक्तिकांत दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मंगलवार को कहा कि मौद्रिक नीति के रुख में बदलाव करना "बहुत जल्दबाजी" होगा और शीर्ष बैंक को दरों के मोर्चे पर "दुस्साहस" के दृष्टिकोण से बचना होगा।

ईटी नाउ के लीडरशिप डायलॉग्स को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि रिजर्व बैंक सेबी के साथ मिलकर वायदा और विकल्प खंड में उच्च कारोबार आकार की निगरानी कर रहा है, लेकिन इसपर कोई भी कार्रवाई बाजार नियामक द्वारा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी संभावना है कि मार्च तिमाही के लिए चालू खाते घाटा (कैड), जिसकी घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी, वित्त वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीनों के लिए 1.2 प्रतिशत के आंकड़े से नीचे आ जाएगा। वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कैड

सकल घरेलू उत्पाद के 1.2 प्रतिशत पर रहेगा, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 2.6 प्रतिशत के स्तर पर था। ऐसा वस्तुओं का व्यापार घाटा कम होने की वजह से होगा।

वैश्विक बांड सूचकांक में देश के शामिल होने के बाद बढ़ते प्रवाह की चर्चाओं के बीच गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक भविष्य में अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक माध्यम के रूप में कार्य करने के लिए भंडार बनाना जारी रखेगा। अपने भंडार विविधीकरण रणनीति के हिस्से के रूप में, यह सोना बढ़ाना जारी रखेगा। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था के 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति के बारे में, उन्होंने कहा कि भले ही मुख्य मुद्रास्फीति में कमी आई है, लेकिन खाद्य महंगाई दर अब भी ऊंची बनी हुई है और इसके आसपास भी अनिश्चितताएं हैं। दास ने कहा कि नीति के रुख को बदलना अभी जल्दबाजी होगा और किसी भी तरह के जोखिम भरे कदम से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक इस मोर्चे पर लातार सतर्क है। दास ने कहा कि मुद्रास्फीति कम हो रही है, लेकिन काफी धीमी गति से। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक को भरोसा है कि मुद्रास्फीति की गिरावट की यात्रा धीमी गति से ही सही, जारी रहेगी।

Infosys

इन्फोसिस ने कंपनियों के लिए एआई-आधारित विपणन सेवा पेश की

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस ने मंगलवार को कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित विपणन सेवाओं का समूह 'इन्फोसिस एस्टर' पेश करने की घोषणा की जिससे कारोबार वृद्धि के लिए ब्रांड अनुभव, दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इन्फोसिस ने बताया कि यह सेवा 400 से अधिक विपणन परिसंपत्तियों, 50 से अधिक भागीदारों और 20 से अधिक डिजाइन स्टूडियो के साथ 'एस्टर' वैश्विक स्तर पर कंपनियों के बीच (बी2बी) और कंपनियों से ग्राहकों के बीच (बी2सी) विपणकों के लिए अनुभव, दक्षता और प्रभावशीलता को गति दे रहा है।

कंपनी ने कहा, "स्वनात्मक सेवाओं, अनुभव डिजाइन, डिजिटल वाणिज्य, प्रदर्शन विपणन और विपणन संचालन के साथ इन्फोसिस एस्टर बी2बी और बी2सी ब्रांड के लिए विपणन मूल्य मूखला में तेजी लेकर आता है। एस्टर के साथ वैश्विक ब्रांड ने बार-बार खरीदारी करने वालों की संख्या में 50% तक की वृद्धि और बिक्री में 40% की वृद्धि महसूस की है।"

मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त पुलिसकर्मी बर्खास्त होंगे, तस्करी की संपत्ति कुर्क की जाएगी : मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को कहा कि मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त मादक पदार्थ अधिकारी को बर्खास्त कर दिया जाएगा तथा तस्करी की संपत्ति कुर्क की जाएगी।

मान ने राज्य में निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों एवं तस्करी के बीच 'साटागाठ' को तोड़ने के लिए इन कड़े कदमों का ऐलान किया। मान ने राज्य में बड़े पैमाने पर निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों के तनावले की भी घोषणा। साथ ही कहा कि पुलिस विभाग को मजबूत करने के लिए 10,000 और पुलिसकर्मियों की भर्ती की जाएगी।



यहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि पुलिस विभाग में शीघ्र ही सुधार नजर आयेगा। उन्होंने कहा कि हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भारी मात्रा में मादक पदार्थ एवं नकदी जव्त की गई।

उन्होंने कहा, "हमें इस बात के सुराग मिले हैं कि कहां से ये चीजें आर्यीं और उन्हें कहां पहुंचाया जाना था। हमारे पास ब्योरा है।" मान ने कहा कि जिस दिन आदर्श आधार रूठिना खत्म हो गयी उसी दिन उन्हे पुलिस महानिदेशक को बुलाकर मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोप हैं कि अधिकारी 10 साल से अधिक समय से एक ही थाने में काम कर रहे हैं, यानी 'पक्षपात' चल रहा है।

आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए कांग्रेस आयोजित करेगी रणनीति सत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अगले सप्ताह संगठन को मजबूत करने तथा जम्मू-कश्मीर के अलावा झारखंड, महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे चुनावी राज्यों में अपनी रणनीति तैयार करने के लिए विचार-विमर्श शुरू करेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी 24 जून से रणनीतिक बैठकें शुरू करेंगे, उसी दिन वे झारखंड के नेताओं से मिलेंगे और रणनीति तैयार करेंगे। महाराष्ट्र के लिए पार्टी की रणनीति बैठक 25 जून को होगी और हरियाणा के नेता



26 जून को शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। जम्मू-कश्मीर के लिए रणनीति बैठक 27 जून को होगी, जहां अभी चुनावों की घोषणा नहीं हुई है। कांग्रेस नेतृत्व ने लोकसभा चुनावों में पार्टी के

प्रदर्शन से उत्साहित होकर इन बैठकों की योजना पहले ही बना ली थी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव, संगठन, के.सी. वेणुगोपाल ने पोस्ट में कहा, अपने पक्ष में बने

माहौल को आगे बढ़ाते हुए, हम आगामी राज्य चुनावों में शानदार जीत सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं। हमारे प्रयासों को गति देने के लिए, माननीय कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी जी चुनाव वाले राज्यों के वरिष्ठ नेताओं के साथ रणनीतिक बैठकें करेंगे: झारखंड - 24 जून, महाराष्ट्र - 25 जून, हरियाणा - 26 जून, जम्मू-कश्मीर - 27 जून। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव इस साल के आखिर में होने हैं। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर, 2024 को समाप्त होगा, जबकि हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर, 2024 को समाप्त होगा।

अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के प्रति अभिभावकों का आकर्षण आत्मघात के समान : एनसीईआरटी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक डी पी सकलानी ने अभिभावकों के अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के प्रति आकर्षण पर अफसोस जताते हुए कहा है कि यह "अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने से कम नहीं है", क्योंकि सरकारी स्कूल अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

यहां एजेंसी के मुख्यालय में 'पीटीआई के संपादकों' के साथ बातचीत में एनसीईआरटी के प्रमुख सकलानी ने कहा कि अंग्रेजी में विषय-वस्तु को रटने की प्रथा ने बच्चों में ज्ञान की हानि की है और उन्हें



उनकी जड़ों और संस्कृति से दूर कर दिया है। उन्होंने कहा, माता-पिता अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों के प्रति आकर्षित हैं, वे अपने बच्चों को ऐसे स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, भले ही वहां शिक्षक न हों या नैतिक प्रयास प्रशिक्षित न हों। यह आत्मघात से कम नहीं है और यही कारण है कि नई (राष्ट्रीय) शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाने पर जोर दिया गया है। सकलानी ने कहा, शिक्षण शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाने पर जोर दिया गया है। सकलानी ने कहा, शिक्षण मातृभाषा पर आधारित क्यों होना चाहिए? क्योंकि जब तक हम अपनी मातृभाषा,

अपनी जड़ों को नहीं समझेंगे, हम कुछ भी कैसे समझेंगे? और बहुभाषी दृष्टिकोण का मतलब यह नहीं है कि किसी एक भाषा में शिक्षण समाप्त किया जाए, बल्कि जोर कई भाषाओं को सीखने पर है। एनसीईआरटी प्रमुख ने ओडिशा की दो आदिवासी भाषाओं में 'प्राइमर' (पुस्तकें) विकसित करने के केंद्रीय शिक्षा मंत्री की एक पहल का हवाला दिया। उन्होंने कहा, माता-पिता अंग्रेजी स्वभाव और संस्कृति पर आधारित विद्यालयों, कहानियों और गीतों की मदद से पढ़ाया जा सके, ताकि उनके बोलने के कोशल, सीखने के परिणाम और संज्ञानात्मक विकास में सुधार हो सके। उन्होंने कहा, हम अब 121 भाषाओं में 'प्राइमर' (पुस्तकें) विकसित कर रहे हैं, जो इस साल तैयार हो जाएंगे और इससे स्कूल जाने वाले बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ने में मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शहीद जवानों के बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने में मदद कर रहा सीआरपीएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शहीद हुए या वीरता पदक से सम्मानित अपने जवानों के बच्चों को कृत्रिम मेधा (एआई), कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे तकनीकी संकायों में बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए मदद कर रहा है। इसके लिए उसने प्रमुख संस्थानों के साथ विशेष समझौता किया है।

अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल ने अब तक 31 विधिविद्यालयों के साथ ऐसे समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

हैं, जिनमें से 22 संस्थान तमिलनाडु के ही हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष शुरू की गई इस पहल के सकारात्मक परिणाम अब दिखने लगे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि इस योजना के तहत अभ्यर्थी का पूरा पाठ्यक्रम का शुल्क माफ कर दिया जाता है तथा जवानों के परिवारों को केवल छात्रावास और भोजनालय का खर्च ही देना पड़ता है। इस पहल के तहत कुल सात श्रेणियां बनाई गई हैं और हमलों में शहीद हुए जवानों के बच्चों को पहली प्राथमिकता दी जाती है। इसके बाद दिव्यांग जवानों और ज्युटी के दौरान मारे गए जवानों के बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए



तय मानदंड के अनुसार कक्षा 12वीं की परीक्षा में विद्यार्थी के न्यूनतम अंक 60 प्रतिशत होने चाहिए। सीआरपीएफ के आवाडी स्थित समूह केंद्र के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) एम. दिनाकरण ने कहा, यह पहल हमारे उन वीर जवानों के परिवारों के लिए शुरू किए गए कल्याणकारी उपायों का हिस्सा है जो कर्तव्य अदा करते

हुए अपनी जान जोखिम में होने की भी परवाह नहीं करते। सीआरपीएफ परिवारों और उनके बच्चों के का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए ऐसे और भी कदम सोचे जा रहे हैं।

सीआरपीएफ के शहीद हैड क्वार्टर एम सुब्रमण्यम की बेटी कार्तिका एस का राज्य के चेंगलपट्टु जिले में स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में 2024-25 शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिल हो गया और वह इसे लेकर काफी खुश है। मई 2010 में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुब्रमण्यम शहीद हो गये थे। कार्तिका ने कहा, मुझे चार साल के बी.टेक (कृत्रिम

बुद्धिमत्ता) पाठ्यक्रम में दाखिला मिल गया है। सीआरपीएफ ने हर संभव तरीके से दाखिला दिलाने में मदद की। उन्होंने ठीक वैसे ही कि किया जो मेरे लिए मेरे पिता करते।

वर्ष 2013 में छत्तीसगढ़ में माओवाद विरोधी अभियान के दौरान शहीद हुए एक जवान के बेटे डिफेंसलिन जोसी सी एम ने कहा, मैं एक साल से बी.टेक कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा हूँ। सीआरपीएफ अधिकारियों ने प्रवेश प्रक्रिया के दौरान मेरी मदद की और सुनिश्चित किया कि अच्छा संस्थान नहीं मिलने के कारण मेरा साल बर्बाद न हो। आंकड़ों के अनुसार अब तक 2,262 सैन्यकर्मी अलग-अलग हमलों में मारे जा चुके हैं।



कारोबारी प्रेम वत्स ने आईआईटी-मद्रास में मस्तिष्क अनुसंधान के लिए दिए 50 लाख अमेरिकी डॉलर

चेन्नई। फेयरफैक्स फाउंडेशनियल होल्डिंग्स लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष प्रेम वत्स ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मद्रास को मस्तिष्क अनुसंधान के लिए 50 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 41 करोड़ रुपये) की राशि दी है। आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र प्रेम वत्स इस प्रमुख शोध संस्थान के उपाध्यक्ष हैं। प्रेम वत्स ने आईआईटी-मद्रास के लिए 50 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 41 करोड़ रुपये) की राशि दी है। आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र प्रेम वत्स इस प्रमुख शोध संस्थान के उपाध्यक्ष हैं। प्रेम वत्स ने आईआईटी-मद्रास के लिए 50 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 41 करोड़ रुपये) की राशि दी है।

आईआईटी-मद्रास ने मार्च 2022 में अपने विशाल परिसर में सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क केंद्र का शुभारंभ किया था, जिसका उद्देश्य आकड़ों, वैज्ञानिक परिणामों और प्रौद्योगिकी उपकरणों का सृजन करके कोशिकीय स्तर पर मानव मस्तिष्क की तस्वीर प्राप्त करना है। फेयरफैक्स फाउंडेशनियल होल्डिंग्स लि. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वत्स ने कहा, आईआईटी-मद्रास के सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क केंद्र में

काम की गुणवत्ता और टीम की प्रतिबद्धता का बड़ा योगदान है। उन्होंने मानव मस्तिष्क की बेहतर तस्वीर तैयार करने वाला जो प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म विकसित किया है वह बहुत ही अनोखा है। वत्स ने मंगलवार को यहां एक प्रेस विज्ञापन में कहा, फेयरफैक्स को इस अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास कार्य का समर्थन करने में खुशी है और हम उन्हें नयी उंचाइयों तक पहुंचने के लिए शुभकामनाएं देते हैं। सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क केंद्र की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इंकोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन ने कहा, मैं आईआईटी-मद्रास में बने मस्तिष्क केंद्र में उनके योगदान के लिए प्रेम वत्स की सराहना करता हूँ। इससे केंद्र को विभिन्न परोपकारी और सीएसआर फंडों से पहले से मिल रही सहायता में वृद्धि होगी और केंद्र को मानव मस्तिष्क एटलस पर अपने अनुसंधान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य में शेरों की संख्या 2024 में बढ़कर 88 हुई: अधिकारी

इरोड। तमिलनाडु के इरोड में स्थित सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य के वन संरक्षक राजकुमार के अनुसार यहां शेरों की आबादी बढ़कर 88 हो गई है। आंकड़ों का हवाला देते उन्होंने कहा कि 2009 में इस क्षेत्र में 10 बाघ थे और इस वर्ष जनवरी में की गई गणना के अनुसार यह संख्या बढ़कर 88 हो गई है। गणना में केवल वयस्क बाघों को ही शामिल किया जाता है, शायकों को नहीं। सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य 1,400 वर्ग किलोमीटर वन भूमि में फैला हुआ है और 10 वन रेंजों के तहत आता है। यहां बाघ, तेंदुपु, हाथी, जंगली भैंसा और हिरण पाए जाते हैं। हर साल जानवरों की आबादी बढ़ती जा रही है।

आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पूर्व मानसून के बाद इस टाइगर रिजर्व में बाघों की आबादी की गणना की जाती है। उन्होंने कहा जानवरों, खासकर बड़ी शेरों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पेंजों पर 1,500 से ज्यादा कैमरे लगाए जाएंगे। तेंदुपु और हाथी सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य के खेतों में खुले में घूम रहे हैं, इसलिए अधिकारियों ने लोगों से मानव-पशु संघर्ष से खुद को बचाने के लिए वन नियमों का पालन करने की अपील की है।

श्रीलंका की नौसेना ने चार भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका की समुद्री सीमा में मंगलवार तड़के कथित रूप से मछली पकड़ने को लेकर श्रीलंकाई नौसेना ने चार भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौका जब्त कर ली। इसके साथ

ही, इस साल ऐसी गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 180 से अधिक हो गई है। श्रीलंकाई नौसेना ने यह जारी एक बयान में कहा, भारतीयों द्वारा कथित रूप से मछली पकड़ने की इस हालिया घटना में मंगलवार तड़के जाफना प्रायद्वीप के उत्तरी डेल्टा टापू के पास एक नौका जब्त कर ली गयी तथा चार मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया। नौसेना ने कहा कि मंगलवार की

गिरफ्तारियों समेत, श्रीलंका के जल क्षेत्र में अवैध तरीके से कथित रूप से मछली पकड़ने को लेकर इस साल अब तक कुल 182 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है तथा उनकी 25 नौकाएं जब्त की गयी हैं। पिछले साल, इस तरह की करीब 240-245 गिरफ्तारियां की गई थीं। इस तरह की ज्यादातर घटनाएं पाक जलजलमण्डल में होती हैं जो दोनों देशों के

मछुआरों के लिए मछलियां पकड़ने का एक पसंदीदा स्थान है। यह जलजलमण्डल तमिलनाडु को श्रीलंका के उत्तरी हिस्से से अलग करता है। श्रीलंका के मत्स्य पालन मंत्रालय ने कहा कि भारतीयों द्वारा कथित रूप से अवैध तरीके से मछली पकड़ने के मुद्दे पर, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के 20 जून को यहां पहुंचने पर उनके साथ चर्चा की जाएगी।

बम होने की अफवाह के चलते दुर्बई जाने वाले विमान के उड़ान भरने में हुई देर

चेन्नई। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से मंगलवार को 286 यात्रियों के साथ दुर्बई जाने वाले एक विमान में बम होने की अफवाह के चलते इसके उड़ान भरने में देरी हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विमान में बम होने की धमकी देने वाला एक ईमेल मिलने के बाद, सुरक्षा एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान की गहन जांच की, जो मंगलवार को पूर्वाह्न 10.30 बजे रवाना होने वाली थी। उसने बताया कि जांच में धमकी अफवाह साबित हुई और विमान को अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई।

चेन्नईयिन एफसी ने युवा फारवर्ड गुरकीरत सिंह से करार किया

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के आगामी सत्र के लिए प्रतिभावन युवा फारवर्ड गुरकीरत सिंह के साथ करार किया है। गुरकीरत आगामी सत्र के लिए चेन्नईयिन से करार करने वाले आठवें खिलाड़ी हैं। मैदान में बाएं ओर से खेलने की क्षमता रखने वाले पंजाब के 20 साल के गुरकीरत दो साल के करार पर मुंबई सिटी एफसी से चेन्नईयिन एफसी से जुड़े हैं। वह 2026 तक क्लब के साथ रहेगा। गुरकीरत ने मुंबई सिटी एफसी के साथ आईएसएल में पदार्पण किया और वह 2023 में आईएसएल लीग शील्ड और 2024 में आईएसएल खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे।

माकपा जीत के लिए कोई 'गंदा खेल' खेलेगी, इसने वडकारा में सांप्रदायिक अभियान चलाया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल में पिपकी दल कांग्रेस ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के दौरान कथित तौर पर वडकारा निर्वाचन क्षेत्र में सांप्रदायिक अभियान चलाने के लिए राज्य की सत्ताधारी माकपा की कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर हमला बालते हुए कहा कि यह अभियान 'संघ परिवार को भी शर्मसार' कर देगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीसन ने यह भी आरोप लगाया कि केरल में माकपा जीत के लिए कोई भी गंदा खेल खेलेने में नहीं हिंजकेगी।



उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय माकपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा वडकारा लोकसभा क्षेत्र में 'काफिर' अभियान चलाया गया था। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, लेकिन इसका दोष यूडीएफ उम्मीदवार शफी परम्बिल और युथ लीग के एक सदस्य पर लगाया गया था। सतीसन वडकारा चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर प्रसारित एक पोस्ट का जिक्र कर रहे थे

जिसमें कथित तौर पर लोगों से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) उम्मीदवार केके शैलजा को वोट नहीं देने के लिए कहा गया था क्योंकि वह 'काफिर' हैं। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि अब पुलिस ने भी मान लिया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट के लिए आरोपी बनाए गए युथ लीग के सदस्य की इसमें कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा, केरल के लोगों को यह समझने की जरूरत है कि माकपा जीत के लिए कोई भी गंदा खेल खेलेने से नहीं हिंजकेगा। उन्होंने कहा कि वाम दल 'पतन' के मार्ग पर हैं और केरल में भी इसका वह हथ होगा जैसा पश्चिम बंगाल और विपुरा में हुआ है।

अभिनेता विजय की टीवीके पार्टी विक्रावंदी उपचुनाव नहीं लड़ेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिल फिल्म अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु वेती कथमम (टीवीके) 10 जुलाई को होने जा रहे विक्रावंदी उपचुनाव में नहीं उतरेगी, बल्कि 2026 के विधानसभा चुनाव तक राज्य की जनता की सेवा करने पर ध्यान देगी। पार्टी ने मंगलवार को यह बात कही। टीवीके ने एक बयान में यह भी कहा कि पार्टी इस अवधि में स्थानीय निकाय चुनावों सहित किसी भी चुनाव में भाग नहीं लेगी और न ही उपचुनाव में किसी पार्टी का समर्थन करेगी।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, यह निर्णय पार्टी अध्यक्ष विजय के निर्देश पर लिया गया है। टीवीके अध्यक्ष थालापति विजय ने दो फरवरी को अपने उद्घाटन भाषण में हमारी पार्टी का राजनीतिक रूप रेखांकित किया था। उन्होंने घोषणा की है कि पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और कार्यक्रमों का खुलासा पार्टी के पहले राज्य सम्मेलन में किया जाएगा। विज्ञप्ति के

अनुसार, इसलिए, पार्टी 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी करेगी। इसमें कहा गया है हमारा प्राथमिक उद्देश्य लोगों की सेवा के लिए (2026 का) चुनाव लड़ना और जीतना है। इसलिए टीवीके इस अवधि में स्थानीय निकाय चुनाव सहित कोई भी चुनाव नहीं लड़ेगी। पार्टी विक्रावंदी विधानसभा उपचुनाव में भाग नहीं लेगी और किसी भी पार्टी का समर्थन नहीं करेगी। अनाद्रमुक और डीएमडीके ने भी घोषणा की है कि वे 10 जुलाई को होने वाले उपचुनाव का बहिष्कार करेंगे। द्रमुक, पीएमके और नाम तमिलर काची ने उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। इस साल अप्रैल में द्रमुक विधायक एन पुगांडेथी की मृत्यु के बाद विक्रावंदी विधानसभा सीट पर उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी।

जमाकर्ताओं के पैसे नहीं लौटाये तो लोगों का सहकारी बैंकों पर से विश्वास उठ जायेगा : केरल उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने कहा है कि यदि अपना पैसा वापस लेने के जमाकर्ताओं के अनुरोध को स्वीकार करने के लिए प्राधिकारी कदम नहीं उठाते हैं तो सहकारी बैंकों पर से लोगों का

विश्वास उठ जायेगा। न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन ने कहा कि सहकारी क्षेत्र के बैंकों पर से जनविश्वास उठ जाने से राज्य को बहुत 'धक्का' लगेगा, खासकर तब जब वर्तमान वित्तीय स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं है जितनी होनी चाहिए थी। अदालत ने 13 जून को दिए अपने आदेश में कहा, सहकारी बैंकों द्वारा जमा धनराशि की वापसी ठोस वित्तीय परीक्षा के लिए अनिवार्य है, उसका उल्लंघन होने से निश्चित ही लोगों में बेवैनी होगी तथा भविष्य में ऐसे बैंकों पर विश्वास करना उनके लिए मुश्किल होगा। अदालत ने जमाकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

राज्य सरकार ने कहा कि वह जमाकर्ताओं ने राज्य में विभिन्न सहकारी बैंकों में जमा अपनी धनराशि लौटाने की मांग की है। अदालत ने कार्यवाही के दौरान कहा कि 21 मई की

पिछली सुनवाई के बाद से इस मामले में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है क्योंकि 'किसी भी प्रत्यावर्ती बैंक ने विभिन्न जमाकर्ताओं को अच्छी खासी राशि के भुगतान के बारे में नहीं बताया है। राज्य सरकार ने कहा कि वह वैधानिक नियमों में संशोधन समेत कई तरीके विकसित कर रही है ताकि जमाकर्ता जब अपनी जमा राशि लौटाने की मांग करे, तो उसका पैसा समय से

वापस कर दिया जाए। सरकार ने इन कदमों के बारे में बताने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। कुंपलामपोडुका सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक ने अदालत से कहा कि उसने जमाकर्ताओं का 40 प्रतिशत हिस्सा लौटा दिया है। जबकि किन्नाडाडिप्लू सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक ने दावा किया कि वह पहले ही अपने जमाकर्ताओं को करीब 25 करोड़ रुपये दे चुका है।

श्रीराम मंदिर के उपरांत अब 'हिन्दू राष्ट्र के लिए संगठित प्रयास आवश्यक' : मोहन गौड़ा

24 से 30 जून तक गोवा में होगा वैश्विक हिन्दू राष्ट्र महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । 'पांच सौ वर्षों के संघर्ष के उपरांत अयोध्या में निर्माण हुआ प्रभु श्रीराम का मंदिर हिन्दू राष्ट्र की निर्मिती की दिशा में पहला कदम है, ऐसा हम मानते हैं, परंतु लोकसभा चुनावों के उपरांत भी देश की परिस्थिति को देखते हुए हिन्दूओं की समस्या सुलझाने के लिए हिन्दूओं का इकोसिस्टम निर्माण कर नियोजनबद्ध पद्धति से कार्य करने की आवश्यकता है। इस बार के चुनाव के सार्वजनिक रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ है कि भारत की स्वतंत्रता के उपरांत 1950 से 2015, इन 65 वर्षों के काल में हिन्दूओं की लोकसंख्या लगभग 8 प्रतिशत से कम हो गई है, जबकि उसकी तुलना में इसी अवधि में समुदाय विशेष की जनसंख्या में लगभग 43.15 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इस वृद्धि को आक्रामक करना होगा। यह विचार हिन्दू जनजागृति समिति के कर्नाटक राज्य प्रवक्ता मोहन गौड़ा ने पत्रकार वार्ता

में व्यक्त किए। गौड़ा ने कहा कि माता वैष्णोदेवी जानेवाले भक्तों की बस पर आतंकवादी आक्रमण से सामने आया है कि कश्मीर में आतंकवाद अब धीरे-धीरे हिन्दूबहुल जम्मू की दिशा में अग्रसर है। पंजाब में खलिस्तानवादी आंदोलन सहित राष्ट्रविरोधी एवं विदेशी शक्तियां भारत को अस्थिर करने के लिए जोर-शोर से सक्रिय हो गई हैं। भारतसहित विश्वभर को देखते हुए हिन्दू धर्म एकमात्र ऐसा धर्म है, जो विश्वधुल्य की ओर यशुधेय लगभग 8 प्रतिशत से कम हो गई है, जबकि उसकी तुलना में इसी अवधि में समुदाय विशेष की जनसंख्या में लगभग 43.15 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इस वृद्धि को आक्रामक करना होगा। यह विचार हिन्दू जनजागृति समिति के कर्नाटक राज्य प्रवक्ता मोहन गौड़ा ने पत्रकार वार्ता



रहा है। यह महोत्सव 24 से 30 जून तक गोवा के रामनाथ देवस्थान, फोंडा में आयोजित है। पत्रकार वार्ता में बेंगलूरु कार्मिक परिषद के राज्यध्यक्ष मलिकार्जुन, पुरावादी प्रसन्न डी.पी, राष्ट्र धर्म संगठन के संस्थापक संतोष केंचाबा, आनेकल के नागराकण्ठा व चौडेक्षरी मंदिर के सचिव सोमेश रेड्डी भी उपस्थित थे। मोहन गौड़ा ने बताया कि इस बार के अधिवेशन में हिन्दू राष्ट्र से संबंधित विविध विषयों पर विशेषज्ञ के परिचयवाद के साथ ही प्रत्यक्ष समान कृति कार्यक्रम निश्चित करने के लिए सामूहिक चर्चा होगी। 'सनातन धर्म की वैचारिक सुरक्षा, धर्म एवं राष्ट्रविरोधी नेटिविटी को प्रस्तुत', हिन्दू

अधिक प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। इसमें प्रमुख रूप से इंदौर के महामंडलेक्षर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती महाराज, इंटरनेशनल वेदांत सोसाइटी के स्वामी निर्गुणानंदगिरी महाराज, छत्तीसगढ़ के श्रीरामबालकृष्ण महाहोमिया महाराज, छत्तीसगढ़ के शदाणी दरबार के डॉ. युधिष्ठिरलाल महाराज आदि संतों की वंदनीय उपस्थिति होगी। इसके अतिरिक्त प्रमुख रूप से रामजन्मभूमि मुक्ति के लिए व काशी की ज्ञानवापी मस्जिद के विरोध में न्यायालयीन लड़ाई लड़ने वाले अधिवक्ता हरिशंकर जैन और उनके पुत्र अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय, स्वातंत्रता वीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक के कार्यध्यक्ष रणजीत सावरकर, तेलंगाना के हिन्दूव्यतिष्ठ विधायक टी. राजाराम, हिन्दू इकोसिस्टिफ के संस्थापक कपिल मिश्रा, भारत के भूतपूर्व सूचना आयुक्त एवं सेव कल्चर सेव भारत के संस्थापक उदय माहृकर के साथ अनेक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

पाठ्यपुस्तकों में संकीर्ण विचारधारा का प्रचार नहीं होना चाहिए : वी शिवनकुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने एनसीईआरटी द्वारा स्कूली पाठ्यपुस्तकों में हाल में किये गए विवादास्पद संशोधनों की आलोचना करते हुए मंगलवार को कहा कि पाठ्यपुस्तकों में संकीर्ण विचारधारा का प्रचार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य, बाबरी मस्जिद विध्वंस और अयोध्या सहित विभिन्न खंडों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा किये गए बदलावों को स्वीकार नहीं करता है।

एक बयान में मंत्री ने कहा कि बच्चों को वास्तविक इतिहास और विज्ञान पढ़ाया जाना चाहिए और केरल ने हमेशा इस रुख को बरकरार रखा है तथा इसे लागू किया है। उन्होंने कहा, पाठ्यपुस्तकों में संकीर्ण विचारधारा का प्रचार नहीं होना चाहिए। शिवनकुट्टी ने एनसीईआरटी द्वारा अतीत में अपनी कुछ पाठ्यपुस्तकों में किये गए विवादास्पद बदलावों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे राज्य सरकार ने एनसीईआरटी द्वारा छोड़े गए अंश को शामिल करते हुए समानांतर पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की थीं। उन्होंने कहा कि

सरकार ने इस विश्वास के आधार पर समानांतर पाठ्यपुस्तकें तैयार की हैं कि शिक्षा को केरल की सांस्कृतिक विरासत, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण और प्रगतिशील मानसिकता के अनुसार आकार दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य द्वारा लाई गई ये पाठ्यपुस्तकें देश और राज्य की समाजिक-सांस्कृतिक विधायकता को बरकरार रखा है तथा इसे लागू किया है। उन्होंने कहा, पाठ्यपुस्तकों में संकीर्ण विचारधारा का प्रचार नहीं होना चाहिए। शिवनकुट्टी ने एनसीईआरटी द्वारा अतीत में अपनी कुछ पाठ्यपुस्तकों में किये गए विवादास्पद बदलावों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे राज्य सरकार ने एनसीईआरटी द्वारा छोड़े गए अंश को शामिल करते हुए समानांतर पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की थीं। उन्होंने कहा कि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प.बंगाल : भाजपा के केंद्रीय दल को डायमंड हार्बर में पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भापा। पश्चिम बंगाल के दौरे पर आए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक केंद्रीय दल को मंगलवार को अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उस समय सहानुभूति नहीं दिखाई, जब लोकसभा चुनाव के बाद राज्य के कथित हिंसा के चलते उन्हें अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा। यह घटना डायमंड हार्बर के अमलता इलाके में हुई, जो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अभिषेक बनर्जी का लोकसभा क्षेत्र है। टीएमसी ने दावा



किया कि इस घटना से संकेत मिलता है कि भाजपा नेता अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कटे हुए हैं। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिन्लु देव के नेतृत्व में चार सदस्यीय दल लोकसभा चुनाव के बाद, भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित हिंसा के बाद स्थिति का आकलन

करने के लिए पश्चिम बंगाल का दौरा कर रहा है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि दक्षिण 24 परगना जिले के अमलता में पार्टी के असंतुष्ट कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय दल के काफिले को रोक लिया और दौरे पर आए नेताओं के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं। बाद में दल ने उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालिका

दौरा किया और उस क्षेत्र के स्थानीय लोगों से बात की, जहां टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया था। संदेशखालिका में पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा केंद्रीय दल के सदस्य बृज लाल ने कहा कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं के सामने आने वाली समस्याओं से पूरी तरह वाकिल है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था नहीं है। पिछले तीन दिनों में राज्य में विभिन्न स्थानों का दौरा करने के बाद दल को यही जानकारी मिली है। लाल ने कहा कि केंद्रीय दल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए जरूरत पड़ने पर हम अदालत का रुख करेंगे। इस दल का लक्ष्य पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद की

कथित हिंसा के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलना है। सोमवार को दल ने राज्य के उत्तरी हिस्से में कूचबिहार का दौरा किया था।

देव और लाल के अलावा, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और कविता पाटीदार टीम के सदस्य हैं। इससे पहले देव ने कहा था कि चुनाव परिणामों के बाद, चुनाव बाद की हिंसा तृणमूल कांग्रेस की आदत बन गई है।

देव ने कहा, जितनी जल्दी टीएमसी विपक्षी दलों पर हमला करने के अपने रुख को बदलेगी, पार्टी के लिए उतना ही बेहतर होगा।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शान्तनु संन ने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन से पता चलता है कि इसके नेता उनसे कटे हुए हैं।



अरुणाचल प्रदेश में लगातार वर्षा होने से जगह-जगह भूस्खलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भापा। अरुणाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से हो रही वर्षा के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में भूस्खलन हुआ है, फलस्वरूप जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह कारसिंगसा में एक पुलिया के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 415 का एक

हिस्सा पानी की तेज धार में बह गया, इसके परिणामस्वरूप निरजुली और बंदेरेदेवा के बीच सड़क संपर्क टूट गया।

उन्होंने बताया कि निरजुली और बंदेरेदेवा के बीच का मार्ग बदल दिया गया है और वाहनों को अब गुमटो रोड के रास्ते भेजा जा रहा है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा राज्य की राजधानी ईटानगर में अगले कुछ दिनों के दौरान भारी वर्षा होने का अनुमान व्यक्त किया जाने के बाद जिला प्रशासन ने लोगों से बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों

से सुरक्षित स्थानों पर या निर्धारित राहत शिविरों में चले जाने की अपील की है।

डोईमुख-पोटिन सड़क तथा ईटानगर-युपिया मार्ग के कई हिस्सों पर जलभराव हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि राज्य की राजधानी के कई स्थानों से भूस्खलन की खबर है लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई है।

राज्य में पिछले कई दिनों से वर्षा होने के कारण कई जिलों में भूस्खलन हुआ है, बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी है तथा कई नदियां उफान पर हैं।



असम : हिमंत बिश्व शर्मा ने मंत्रिमंडल में किया मामूली फेरबदल, स्वास्थ्य विभाग का प्रभार खुद लिया

गुवाहाटी/भापा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल में मामूली फेरबदल करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का प्रभार खुद संभाल लिया। स्वास्थ्य विभाग पहले केशव महंत के पास था जिन्हें पूर्व मंत्री परिमल शुक्लावैद्य के विभाग सौंपे गये हैं। शुक्लावैद्य लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, सतारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी असम गण परिषद के सदस्य केशव महंत के पास 2021 से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग था। महंत को परिवहन, आबकारी एवं मात्स्यिकी विभाग सौंपे गये हैं जिनका कामकाज पहले शुक्लावैद्य संभालते थे। ये विभाग महंत के पास पहले से मौजूद विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त हैं। शुक्लावैद्य ने सिलचर (अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित) संसदीय सीट से निर्वाचित होने के बाद राज्य के मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया है।

असम के गृह सचिव शिलादित्य चेतिया ने पत्नी की मौत के बाद अस्पताल में आत्महत्या की

गुवाहाटी/भापा। असम के गृह सचिव शिलादित्य चेतिया ने मंगलवार को लंबी बीमारी के चलते अपनी पत्नी के निधन के बाद गुवाहाटी के एक निजी अस्पताल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 2009 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी चेतिया ने गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) के अंदर अपनी सरकारी रिटायर से कथित तौर पर खुद को गोली मार ली, जहां उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। राज्य के गृह सचिव के रूप में तैनाती से पहले चेतिया तिनसुकिया और सोनितपुर जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) और असम पुलिस की चौथी बटालियन के कमांडेंट के रूप में कार्य कर चुके थे। चेतिया की पत्नी बेन ट्यूमर से पीड़ित थीं और पिछले कुछ महीनों से अस्पताल में भर्ती थीं।

पटना हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी अफवाह साबित हुई

पटना/भापा। पटना हवाई अड्डे के अधिकारियों को मंगलवार को ईमेल के जरिये बम की धमकी मिली, जिसके बाद यहां गहन तलाशी ली गई और सुरक्षा बढ़ा दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि जांच के बाद यह धमकी अफवाह साबित हुई। हवाई अड्डा निदेशक आंचल प्रकाश ने बताया कि जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली, जिसके बाद बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) की बैठक बुलाई गई। उन्होंने कहा कि आगे की कार्यवाही जारी है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "दोपहर 1.10 बजे मिले इस ईमेल के जरिये बम की धमकी दी गयी। घटना के बाद हवाई अड्डा पर सुरक्षा बढ़ा दी थी।"

गौतम गंभीर का भारतीय टीम का कोच बनाया गया तय, सीएसी ने गंभीर, रमन के इंटरव्यू लिये



नई दिल्ली/भापा। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर और डब्ल्यू वी रमन का मंगलवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिए साक्षात्कार लिया। यह साक्षात्कार 'जूम कॉल' पर हुआ जिसमें गंभीर, रमन और सीएसी

प्रमुख अशोक मल्होत्रा ऑनलाइन शामिल हुए। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, "हां, गंभीर सीएसी के साथ साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए। आज एक दौर की चर्चा हुई। कल एक और दौर होने की उम्मीद है।" उन्होंने कहा, "गंभीर के बाद रमन का साक्षात्कार हुआ। यह भी जून पर हुआ। उन्होंने भी

भारतीय क्रिकेट के लिये अपना रोजमर्रा रखा। यह साक्षात्कार 40 मिनट तक चला। समिति ने कुछ सवाल पूछे जिसके बाद प्रेजेंटेशन देखा।" माना जा रहा है कि गौतम गंभीर एकमात्र उम्मीदवार हैं जो दावेदारी में हैं और उनके नाम की घोषणा महज औपचारिकता है जो अगले 48 घंटों में हो सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। गौतम गंभीर के भारतीय टीम का मुख्य कोच बनने से आईपीएल चैम्पियन कप्तान भैयास अय्यर के अंतरराष्ट्रीय कैरियर को नया जीवन मिल सकता है जो जुलाई अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के जरिये वापसी कर सकते हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल खिताब दिलाने वाले भैयास को पांच जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये भी चुना जा



सकता है लेकिन श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिये उनके चुने जाने की संभावना अधिक है। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद के सबसे प्रबल दावेदार गंभीर आईपीएल में केकेआर के मेंटोर थे। भैयास को ईशान किशन के साथ बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था चूंकि वे रणजी ट्रॉफी खेलने से कतरा रहे थे। भैयास ने रणजी फाइनल खेलकर 90 रन बनाये थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच टी20 मैचों की श्रृंखला के लिये टीम का ऐलान अगले सप्ताह होगा। आईपीएल में अच्छा

प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ी इस समय बंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, "भैयास इस समय एनसीए में नहीं है। एनसीए में अधिकांश वे क्रिकेटर हैं जिन्होंने खेला नहीं है।" उन्होंने कहा, "इनमें अभिषेक शर्मा, रियान पराग, मयंक यादव, हर्षित राणा, नीतिश रेड्डी, विजयकुमार विशाखा, यश दयाल शामिल हैं।" सूत्र ने कहा, "एसी संभावना है कि भैयास श्रीलंका में तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये जा

सकता है। उसने विश्व कप में 500 से अधिक रन बनाये थे और उसका औसत 50 के करीब है। उसे बाहर कैसे कर सकते हैं।" समझा जाता है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुभराह जैसे सीनियर खिलाड़ी अब वनडे और ट्वेंटर पर फोकस करेंगे क्योंकि सितंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच नौ डब्ल्यूटीसी ट्वेंटर खेले जाने हैं। इनमें बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत में दो दो ट्वेंटर, आस्ट्रेलिया में पांच ट्वेंटर और पाकिस्तान में वनडे चैम्पियंस ट्रॉफी शामिल है। जिम्बाब्वे जाने वाली टीम में रिकू सिंह, शुभमन गिल, आदित्य खान, खलील अहमद जैसे आईपीएल स्टाफ होंगे।

राहुल गांधी ने नीट मुद्दे पर 'मौन' धारण करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट) मुद्दे पर 'मौन' धारण करने के लिए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दोहासाया कि उनकी पार्टी युवाओं की आवाज सड़क से संसद तक मजबूती से उठा कर प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कठोर नीतियों का निर्माण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा की जिम्मेदारी निभाते हुए हम देश भर के युवाओं की आवाज सड़क से संसद तक मजबूती से उठा कर और सरकार पर दबाव डाल कर ऐसी कठोर नीतियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह और ये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य प्रश्नपत्र लीक का केंद्र बन चुके हैं। राहुल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "नीट परीक्षा में 24 लाख से अधिक विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़



पर भी नरेन्द्र मोदी हमेशा की तरह मौन धारण किए हुए हैं।" उन्होंने दावा किया, "बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा की जिम्मेदारी निभाते हुए हम देश भर के युवाओं की आवाज सड़क से संसद तक मजबूती से उठा कर और सरकार पर दबाव डाल कर ऐसी कठोर नीतियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।" उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह और ये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य प्रश्नपत्र लीक का केंद्र बन चुके हैं। राहुल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "नीट परीक्षा में 24 लाख से अधिक विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़

कांग्रेस ने सरकार पर रेलवे को 'बर्बाद' करने का आरोप लगाया, अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली/भापा। सरकार पर भारतीय रेलवे को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कांग्रेस ने कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना के मद्देनजर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की और कहा कि उन्हें पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

विपक्षी दल ने मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर दुर्घटना स्थल पर पहुंचने के लिए वैष्णव पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि वह रेल मंत्री हैं या रेल मंत्री। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार द्वारा की गई "आपराधिक लापरवाही" ने "रेलवे को बर्बाद" कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे ने कहा कि जब भी कोई रेल दुर्घटना होती है, मोदी सरकार के रेल मंत्री कैमरों की चकाचौंध में घटनास्थल पर पहुंचते हैं और ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे सब कुछ ठीक है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा, नरेन्द्र मोदी जी, हमें बताएं कि कितने जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, रेल मंत्री को या आपको? खरेगे ने सरकार से सात सवाल पूछे और जवाब मांगे। उन्होंने पूछा बालासोर जैसी दुर्घटना के बाद, बहुचर्चित कचर ट्रेन टकरा रोधी प्रणाली का दायरा एक किलोमीटर क्यों नहीं बढ़ाया गया? कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा, रेलवे में करीब तीन लाख पद खाली क्यों हैं, पिछले 10 सालों में उन्हें क्यों नहीं भरा गया।



स्मृति मंथाना महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भापा। भारत की उपकप्तान स्मृति मंथाना मंगलवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं।

बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज मंथाना ने घरेलू मैदान पर अपना पहला शतक जड़ते हुए 117 रन की मैच विजयी पारी खेली और तीन मैचों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की 143 रन की जीत में अहम भूमिका



निभाई। मंथाना के 715 अंक हैं और वह शीलका की चामरी अटापट्ट से पीछे हैं जिन्होंने इंग्लैंड की नताली स्काइवर-ब्रंट को अपनी नंबर एक रैंकिंग गंवा दी थी। इंग्लैंड की ऑलराउंडर स्काइवर-

ब्रंट ने पिछले महीने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 124 रन की शानदार पारी खेलकर अपना नंबर एक स्थान फिर हासिल किया। भारत की सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तीन पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि पूजा वर्माकर तीन पायदान ऊपर 38वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडरों की सूची में वर्माकर ने सबसे लंबी छलांग लगाई है। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी चार पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर है।

दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी खिलाड़ी मारिजा ने कैप एकदिवसीय ऑलराउंडर की रैंकिंग में नंबर एक पर बनी हुई हैं।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिये हो सकती है श्रेयस अय्यर की वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। गौतम गंभीर के भारतीय टीम का मुख्य कोच बनने से आईपीएल चैम्पियन कप्तान भैयास अय्यर के अंतरराष्ट्रीय कैरियर को नया जीवन मिल सकता है जो जुलाई अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के जरिये वापसी कर सकते हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल खिताब दिलाने वाले भैयास को पांच जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये भी चुना जा



सकता है लेकिन श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिये उनके चुने जाने की संभावना अधिक है। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद के सबसे प्रबल दावेदार गंभीर आईपीएल में केकेआर के मेंटोर थे। भैयास को ईशान किशन के साथ बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था चूंकि वे रणजी ट्रॉफी खेलने से कतरा रहे थे। भैयास ने रणजी फाइनल खेलकर 90 रन बनाये थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच टी20 मैचों की श्रृंखला के लिये टीम का ऐलान अगले सप्ताह होगा। आईपीएल में अच्छा

प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ी इस समय बंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, "भैयास इस समय एनसीए में नहीं है। एनसीए में अधिकांश वे क्रिकेटर हैं जिन्होंने खेला नहीं है।" उन्होंने कहा, "इनमें अभिषेक शर्मा, रियान पराग, मयंक यादव, हर्षित राणा, नीतिश रेड्डी, विजयकुमार विशाखा, यश दयाल शामिल हैं।" सूत्र ने कहा, "एसी संभावना है कि भैयास श्रीलंका में तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये जा

सकता है। उसने विश्व कप में 500 से अधिक रन बनाये थे और उसका औसत 50 के करीब है। उसे बाहर कैसे कर सकते हैं।" समझा जाता है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुभराह जैसे सीनियर खिलाड़ी अब वनडे और ट्वेंटर पर फोकस करेंगे क्योंकि सितंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच नौ डब्ल्यूटीसी ट्वेंटर खेले जाने हैं। इनमें बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत में दो दो ट्वेंटर, आस्ट्रेलिया में पांच ट्वेंटर और पाकिस्तान में वनडे चैम्पियंस ट्रॉफी शामिल है। जिम्बाब्वे जाने वाली टीम में रिकू सिंह, शुभमन गिल, आदित्य खान, खलील अहमद जैसे आईपीएल स्टाफ होंगे।

सुविचार

जो कल था उसे मूलकर तो देखों, जो आज है उसे जी कर तो देखो, आने वाला पल खुद संवर जायेगा, एक कोशिश करके तो देखो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

असल परख अब

कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड़ा ने अपनी चुनावी पारी की घोषणा कर ही दी। पहले से तय था कि वे चुनावी राजनीति का हिस्सा बनेंगी, बस समय और क्षेत्र की घोषणा बाकी थी। वे वायनाड लोकसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव में ऐसे समय चुनावी पारी की शुरुआत करने जा रही हैं, जब हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वे अपने भाई राहुल गांधी के साथ चुनाव प्रचार में सक्रिय रहेंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरा, लेकिन पूरा जोर लगाने के बावजूद पार्टी सीटों का शतक नहीं लगा पाई। उसके नेतृत्व वाला इंडि गठबंधन सत्ता में नहीं आ सका। जब सोनिया गांधी ने राज्यसभा के लिए पचास भरा, तब इस बात को लेकर काफी चर्चा थी कि प्रियंका वाड़ा रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। पार्टी ने वहां राहुल को उतारा, जो वायनाड से भी किस्मत आजमा रहे थे। दोनों सीटों से जीत चुके राहुल अब बहन के लिए वायनाड सीट छोड़ रहे हैं तो इससे कांग्रेस पर परिवारवाद को बढ़ावा देने के आरोप तो लगेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तो कह दिया है कि राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने और उनकी बहन के वहां से चुनाव लड़ने के फैसले के बाद आज यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस कोई राजनीतिक दल नहीं, बल्कि परिवार की एक कंपनी है! सीपीआईएम नेत्री और वायनाड में हाल में हुए लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार रहें एनी राजा ने इसे महत्वाताओं के साथ अत्याचार करार देकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। हालांकि कांग्रेस की केरल इकाई ने प्रियंका वाड़ा को उपचुनाव लड़ाने के फैसले का स्वागत किया, जो कि स्वाभाविक है।

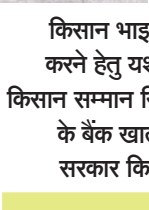
निश्चित रूप से इतने बड़े फैसले पर कांग्रेस में पहले विचार-विमर्श हुआ होगा। गांधी परिवार पहले भी दक्षिण भारत से लोकसभा चुनाव लड़ता रहा है और उसे कामयाबी मिली है। साल 1980 में इंदिरा गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और आंध्र प्रदेश की मेडक (अब तेलंगाना में) सीटों से चुनाव लड़ा था। वे दोनों सीटों से जीती थीं। सोनिया गांधी ने साल 1999 में अमेठी के अलावा कर्नाटक की बेन्नारी सीट से किस्मत आजमाई थी, जहां महत्वाताओं ने उन पर भरोसा जताया था। साल 2019 में राहुल गांधी ने अमेठी के साथ वायनाड से भी चुनाव लड़ा। वे अमेठी से हारे, लेकिन वायनाड से जीते। अब प्रियंका वाड़ा को से मैदान में होंगी तो उनके सियासी करिश्मे की असल परख होगी। यहां से राहुल गांधी लोकसभा चुनाव जरूर जीते, लेकिन उनकी राह इतनी आसान नहीं थी। वे 6,47,445 वोट लेकर अल्पव्यव रहे, जबकि सीपीआईएम उम्मीदवार एनी राजा 2,83,023 और भाजपा उम्मीदवार के सुरेंद्र ने 1,41,045 वोट हासिल किए। नोटा को 6,999 वोट मिले थे। इन तीनों के मतों का योग भविष्य में लड़ाई को रोचक बना सकता है। केरल में भाजपा अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है, जबकि सीपीआईएम जैसे दलों के सामने अस्तित्व बचाने का प्रश्न है। अगर वे दल रणनीति बनाकर अपने वोटबैंक को एकजुट करने में सफल रहे तो वायनाड में कांग्रेस को कड़ी टक्कर मिल सकती है। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि केरल के नतीजों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह जगाया है। पार्टी ने 14 सीटों पर जीत हासिल कर 35 प्रतिशत से ज्यादा वोट शेयर अपने नाम किया है। अब कांग्रेस के सामने इस बढ़त को बनाए रखने की चुनौती होगी। केरल में वाम दलों और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग होती रहती है। मुख्यमंत्री पी विजयन तो राहुल गांधी पर तीखी टीका-टिप्पणी कर चुके हैं। केरल में कांग्रेस का बढ़ता प्रभाव आईएमएल, सीपीआईएम, केईसी और आरएसपी के लिए 'खतरे की घंटी' है। ऐसे में कभी 'दोस्ती' और कभी 'तकरार' का यह सिलसिला कब तक चलेगा? भाजपा के लिए भी इस राज्य की राह आसान नहीं है, लेकिन उसने एक सीट जीतने के बावजूद 16 प्रतिशत से ज्यादा वोट शेयर अपने नाम कर लिया। इससे संकेत मिलता है कि भविष्य में यहां चुनावी मुकाबले का और कड़ा होना तय है।

ट्वीटर टॉक



केंद्रीय पंचायती राज तथा पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री श्री राजीव रंजन (ललन) सिंह जी ने दिल्ली स्थित निवास पर भेंट की। उन्हें नए पद और दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उनसे विविध विषयों पर चर्चा हुई।

—ओम बिरला



किसान भाइयों-बहनों के जीवन को आसान और समृद्ध करने हेतु यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'पीएम किसान सम्मान निधि' के तहत 17वीं किस्त सीधा अन्नदाता के बैंक खातों में ट्रांसफर की। मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार किसान कल्याण हेतु पूर्ण रूप से संकल्पित है।

—दीया कुमारी



आज राजधानी दिल्ली में विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए शोधनारत, भारत के 'अमृतकाल के सारथी' नरेंद्र मोदी से स्नेहपूर्ण भेंट कर उनका स्नेहिल आशीर्वाद व आत्मीय मार्गदर्शन प्राप्त किया।

—भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

वेग पर भारी विनम्रता

एक बार समुद्र ने नदियों से पूछा, 'तुम सभी विशाल वृक्ष को तो प्रतिदिन अपने साथ बहाकर ले आती हो, परंतु इतने बांस जो कि तुम सबके तट पर ही पैदा होते हैं, उनको कभी नहीं लाती, इसका क्या रहस्य है? जान पड़ता है कि तुम बांस की अहंलाला करती हो।' प्रश्न का जवाब देते हुए नदियों ने कहा, 'देव, हम उन वृक्षों को ही उखाड़ पाती हैं जो हमारे तट पर हमारे ही जल से पोषित होकर भी कोमल नहीं बल्कि अकड़ के साथ रहते हैं। इसलिए हम उनको निर्मल कर देती हैं। मगर बांस के साथ ऐसा नहीं होता। वह तो हमारे प्रवाह को देखकर ही नतमस्तक होकर हमारा अधिवाहन करता है। हम उसका बाल भी बांका नहीं कर पाती। बांस अपनी विनम्रता से हमारे वेग को संभाल लेता है।'

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kannan Achagaram, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor: Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor: Shreekrishna Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No. RN.No.: TNHN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, कॉमिक, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा वादा पूरा नहीं करता तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सामयिक



वायनाड से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने के फैसले के बाद सोशल मीडिया समेत राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि इस सीट से बीजेपी किसे उम्मीदवार बनाएगी। चर्चा ये भी है कि बीजेपी तेज तर्रार नेता स्मृति ईरानी को वायनाड सीट से उतार सकती है। मले ही स्मृति ईरानी इस बार अमेठी से के एल शर्मा के सामने लोकसभा चुनाव हार गई हैं, लेकिन 2019 में वे कांग्रेस के गढ़ अमेठी से राहुल गांधी को हरा चुकी हैं। ऐसे में बीजेपी उन्हें इस सीट से उतार कर मुकाबला दिलचस्प बना सकती है।

प्रियंका को वायनाड में भाजपा आसानी से नहीं देगी वाकओवर

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन के बाद सबकी नजर इस पर थी कि राहुल गांधी किस सीट से लोकसभा में जाएंगे। राहुल इस बार उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड संसदीय सीट से चुनाव जीते थे। ऐसे में उन्हें एक सीट छोड़नी थी। राहुल ने वायनाड सीट से इस्तीफा देते हुए रायबरेली सीट से अपनी सांसदी बनाए रखी। वायनाड से इस्तीफा देने के साथ ही कांग्रेस ने यह भी ऐलान कर दिया कि वायनाड सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड़ा उम्मीदवार होंगी।

प्रियंका अगर वायनाड से चुनाव जीतती हैं तो संसद में गांधी-नेहरू परिवार एक नया कीर्तिमान रच देंगे। इंतजार के बाद साल 2019 में प्रियंका गांधी जब सक्रिय राजनीति में आईं तभी से उनके चुनाव लड़ने को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। कभी उनके लिए उत्तर प्रदेश की परंपरागत अमेठी सीट, तो कभी मां सोनिया गांधी की रायबरेली सीट तो कभी वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के दावे किए जाने लगे। लेकिन वह कभी भी चुनावी समर में नहीं उतरतीं।

हालांकि अब पार्टी ने प्रियंका गांधी वाड़ा को वायनाड सीट से उपचुनाव में उतारने का ऐलान कर दिया। अब तक खुद को चुनाव प्रचार तक सीमित रखने वाली प्रियंका अब पहली बार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगी। प्रियंका अब अगर अपनी पहली चुनावी बाधा को पार कर लेती हैं तो संसदीय

इतिहास में यह ऐतिहासिक क्षण होगा। यदि प्रियंका गांधी वायनाड से लोकसभा उपचुनाव जीत लेती हैं, तो यह पहली बार होगा कि जब गांधी-नेहरू परिवार से मां, बेटा और बेटे एक साथ संसद में होंगे। सोनिया गांधी इस समय राज्यसभा सांसद हैं तो राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचेंगे। हालांकि इससे पहले कई बार इस गांधी-नेहरू परिवार के कम से कम 2 सदस्य एक समय में संसद में रहे हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू के प्रधानमंत्री रहने के दौरान उनके दामाद फिरोज गांधी लोकसभा सांसद रहे थे। फिरोज गांधी पहले 1952 में फिर 1957 में रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद चुने गए थे। इस दौरान पीएम नेहरू भी लोकसभा सांसद (फूलपुर सीट) थे। इंदिरा गांधी पहली बार 1964 में राज्यसभा की सदस्य बनने के साथ अपने संसदीय करियर की शुरुआत की थी। जबकि उन्होंने 1967 में पहली बार लोकसभा चुनाव जीता था।

1980 के चुनाव में इंदिरा गांधी सांसद चुनी गई थी तब उनके बेटे संजय गांधी भी अमेठी सीट से लोकसभा सांसद चुने गए थे। संसद में पहली बार गांधी-नेहरू परिवार से मां-बेटे की जोड़ी सांसद बनी थी। लेकिन कुछ महीने बाद एक विमान हादसे में संजय की मौत हो गई। ऐसे में यहां पर कराए गए उपचुनाव कराया गया। संजय गांधी के बड़े भाई राजीव गांधी ने 1981 में अमेठी सीट पर हुए उपचुनाव में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की और लोकसभा पहुंचे। तब इंदिरा गांधी भी लोकसभा सांसद थीं और उनके बेटे भी सांसद चुने गए थे।

फिर साल 2004 में गांधी-नेहरू परिवार से मां-बेटे की जोड़ी फिर से संसद पहुंची। सोनिया गांधी रायबरेली से सांसद चुनी गईं

और उनके बेटे राहुल गांधी ने अमेठी से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करते हुए अपनी पहली चुनावी बाधा पार की। फिरोज और इंदिरा की दूसरी संतान संजय गांधी का परिवार भी लगातार राजनीति में बना हुआ है। संजय की पत्नी मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी की जोड़ी भी संसद में 3 बार बनी रही। वरुण गांधी ने अपने चुनावी करियर की शुरुआत 2009 में पीलीभीत सीट से चुनाव जीतकर की। तब आंवला सीट से मेनका गांधी से सांसद चुनी गई थीं।

2014 में वरुण सुल्तानपुर से सांसद बने तो मां मेनका पीलीभीत से लोकसभा पहुंचीं। 2019 में वरुण पीलीभीत से तीसरी बार सांसद चुने गए तो मेनका ने सुल्तानपुर से जीत हासिल की। हालांकि 2024 में मेनका कड़े संघर्ष के बाद चुनाव हार गईं जबकि उनके बेटे को बीजेपी ने मैदान में नहीं उतारा था। दूसरी ओर, 2004 से लेकर अब तक सोनिया और राहुल के रूप में मां-बेटे की यह जोड़ी संसद में बनी हुई है। लेकिन इस समय सोनिया लोकसभा की जगह राज्यसभा की सदस्य हैं। अब ठीक 20 साल बाद 2024 में मां-बेटे की यह बेमिसाल जोड़ी एक कदम आगे बढ़ाते हुए अपने साथ एक बेटे को भी शामिल करने जा रही हैं। अगले 6 महीने के अंदर वायनाड सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा। उपचुनाव में अगर प्रियंका जीत हासिल करती हैं तो 6 महीने बाद सोनिया गांधी के परिवार के 3 सदस्य एक साथ संसद में दिखेंगे तो मेनका के परिवार का कोई सदस्य संसद में नहीं दिखेगा।

पर इन सब बातों में एक पेच भी है। वायनाड से प्रियंका को उम्मीदवार बना कर कांग्रेस इस जीत को आसान समझ रही है पर भाजपा इतनी आसानी से वाकओवर भी नहीं

देने वाली। भले ही गांधी परिवार का साउथ से भी पुराना रिश्ता रहा है। इंदिरा गांधी 1978 का उपचुनाव कर्नाटक के थिकमगलूर से जीतीं थीं। इसके बाद 1980 में इंदिरा ने आंध्र के मेडक सीट से जीत हासिल की। 1999 में सोनिया गांधी ने भी अपना राजनीतिक करियर दक्षिण से किया था। वे 1999 में अमेठी और कर्नाटक की बेन्नारी सीट से चुनाव लड़ी थीं और दोनों सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि, बाद में बेन्नारी सीट उन्होंने छोड़ दी थी।

वायनाड से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने के फैसले के बाद सोशल मीडिया समेत राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि इस सीट से बीजेपी किसे उम्मीदवार बनाएगी। चर्चा ये भी है कि बीजेपी तेज तर्रार नेता स्मृति ईरानी को वायनाड सीट से उतार सकती है। भले ही स्मृति ईरानी इस बार अमेठी से के एल शर्मा के सामने लोकसभा चुनाव हार गई हैं, लेकिन 2019 में वे कांग्रेस के गढ़ अमेठी से राहुल गांधी को हरा चुकी हैं। ऐसे में बीजेपी उन्हें इस सीट से उतार कर मुकाबला दिलचस्प बना सकती है।

गौरतलब है कि बीजेपी टिकटों को लेकर पहले भी चौकाने वाले फैसले करते आई हैं। 1999 में जब सोनिया गांधी के बेन्नारी से डेब्यू करने की बात सामने आई थी, तब बीजेपी ने इस सीट से सुषमा स्वराज को टिकट देकर चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया था। सुषमा ने इस सीट पर सोनिया गांधी को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि, वे इस चुनाव में हार गई थीं। सोनिया गांधी को 414000 वोट मिले थे। जबकि सुषमा स्वराज ने साढ़े तीन लाख से ज्यादा वोट हासिल किए थे। सोनिया गांधी इस चुनाव में करीब 56000 वोट से चुनाव जीत पाई थीं।

नजरिया

मंत्रिमंडल गठन ने तोड़े सारे भ्रम

ऋतुपर्ण दवे

मोदी मंत्रिमंडल का गठन जरूर हो गया है लेकिन कयासों का दौर खत्म नहीं हुआ।

एक बार में ही 72 सदस्यीय भारी भरकम मंत्रिमंडल की यजह लोग कुछ भी बताएँ लेकिन यह नरेंद्र मोदी की चतुर्दाई कही जाएगी जो उन्होंने एक बारगी सारे किन्तु-परन्तु पर विराम लगा एक तीरे से कई निशाने साधे। इससे न केवल सहयोगियों बल्कि भाजपा के आनुषांगिक संगठनों को भी बड़ा संदेश गया कि भले ही सीटें घटीं लेकिन मोदी की हैसियत वही है। घटक दलों के सहयोगियों का मोदी के तीसरे कार्यकाल में मंत्रिमंडल बंटवारे में मिले पद और कद से भी काफी भ्रम टूटा। साफ़ दिखा कि नरेंद्र मोदी ने जो चाहा वो किया। जिस शांति और धैर्य से घटक दलों के साथ पहली बैठक हुई, प्रमुख दोनों सहयोगी नीतीश बाबू और चंद्रबाबू ने मोदी की तारीफ़ में करीब पढ़े उससे राजनीतिक नब्ब टटोलने वालों की भी धड़कनें असहज हुईं। हमउम्र और राजनीति में मोदी से सीनियर होने के बावजूद नीतीश का उनके पैर फूटने के लिए झुकना सबको अब भी हैरान कर रहा है।

यह भ्रम ही साबित हुआ कि जेडीयू को रेल तो टीडीपी को सड़क परिवहन मंत्रालय मिलना तय है। पुरानी सरकारों में रेल मंत्रालय प्रायः गठबंधन के सहयोगियों के खाते में रहा। मौजूदा मंत्रिमंडल में 33 नए चेहरे हैं जिनमें तीन पूर्व मुख्यमंत्री हैं। पहली बार मंत्री बनने वालों में 7 सहयोगी दलों से हैं। 7 महिलाएं भी मंत्री बर्नीं जिनमें 2 कैबिनेट और 5 राज्य मंत्री हैं। एक भी मुस्लिम मंत्रिमंडल में नहीं है। आजादी के बाद पहला मौका है जब मुसलमान को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। नए मंत्रिमंडल में 21 सवर्ण, 27 ओबीसी, 10 एससी, 5 एसटी, 5 अल्पसंख्यक मंत्रियों को जगह मिली।

भावुक अपीलों और जनता से कनेक्ट होने में हुनरमंद मोदी का कोई सानी नहीं। अब उन्होंने नई अपील कर विपक्ष को बहस का नया मुद्दा दे दिया। अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से 'मोदी का परिवार' टहाने की गुहार लगा दी। भले ही डिस्क्रेट



नाम बदले लेकिन भारत की तरकी की कोशिशों के खातिर प्रयास करने वाले एक परिवार के रूप में हमारा बंधन मजबूत और अटूट है। इशारा अबकी बार एनडीए सरकार की ओर तो था ही साथ ही गठबंधन के सहयोगियों को भी बता दिया कि अब वो कितने अहम हैं?

इसी बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान को देखना होगा जिसमें उन्होंने मणिपुर में शांति बहाली नहीं होने पर चिंता व्यक्त जताई। यह बयान शायद भाजपा प्रमुख नरेंद्र मोदी के उस बयान का जवाब लगता है जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा अब अपने पैरो पर खड़ी है। भागवत के बाद संघ के बड़े नेता इंद्रेश कुमार का बयान भी सुर्खियों में रहा जिसमें उन्होंने भी भाजपा की टॉप लीडरशिप पर निशाना साधा। हालांकि इस पर सफाई भी आई। अब सबकी निगाहें लोकसभा अध्यक्ष पर हैं। जिस पर फिर कयासों का दौर शुरू हो गया है। निश्चित रूप से विविधताओं से भरे भारत देश और उसकी राजनीति में मतांतर नए नहीं हैं। इसीलिए कभी लगता है कि मोदी के नेतृत्व की एनडीए सरकार बेहद मजबूत है तो कभी लगता है कि भाजपा और

उसके अपने महत्वपूर्ण आनुषांगिक दल ही क्यों खफा हैं।

आंध्र प्रदेश विधानसभा में गजब का प्रदर्शन करते हुए टीडीपी-भाजपा गठबंधन ने बड़े बहुमत वाली जीत हासिल की। दोनों का एजेण्डा सबको पता है। टीडीपी मुस्लिम आरक्षण, परिसीमन, सीएफ, अमरावती के विकास और विशेष दर्जे पर तबज्जो चाहेगी तो कमोवेश जेडीयू भी बिहार में ऐसे ही एजेण्डे के साथ अगले साल विधानसभा चुनाव में जाएगी। महाराष्ट्र में तो अभी चुनाव होने हैं। इन हालातों में महत्वपूर्ण घटक कब तक भाजपा के हमराह रहेंगे? जबकि महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश संहत बिहार में पद और कद पर कई बातें होनी शुरू हो गई हैं।

मंत्रिमंडल गठन के बाद विभाग वितरण से लोग भौंचका हैं कि यह कैसा जादू? क्या सचमुच राजनीति में मंजो दोनों बाबू न केवल मोदी के साथ हैं बल्कि ब्रान्ड मोदी के दो हाथ हैं? बहुमत का आंकड़ा न छू पाने के बावजूद मंत्रिमंडल बंटवारे में दिखी मोदी के मन की बात ने क्या सभी का लोहा मनावा लिया? हालांकि चंद्रबाबू नायडू के शपथ

ग्रहण में नीतीश का न जाना फिर चर्चाओं में है। लेकिन इटली में जी-7 सम्मेलन में बिना सदस्य रह कर भी विशेष रूप से प्रधानमंत्री को बुलाना और दुनिया के शीर्ष नेताओं से मेल-मुलाकात के बाद मोदी की नई छवि और कार्यप्रणाली को लेकर राजनीतिक चर्चाओं ने नया मोड़ जरूर ले लिया है। लेकिन देश के अंदर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और दक्षिण के चुनाव परिणामों के मायने पर भी जानकारों की राय बंटी हो सकती है। लेकिन यह सच है कि असल परीक्षा के लिए लोकसभा के नियमित सत्र और नए अध्यक्ष तक इंतजार करना ही होगा।

नई परिस्थितियों में खुद की छवि को बजाए मसीहाई दिखाने के बड़ी सहजता और विनम्रता से लवरेज दिखाकर भी प्रधानमंत्री मोदी नई एनडीए सरकार के वैसे ही सख्त मुखिया दिख रहे हैं जैसे बीते दोनों कार्यकाल में रहे। लोग तब और अब में फर्क भले ढूँढ़ें लेकिन यह कब दिखेगा, कोई नहीं जानता। फिलहाल 30 जून का इंतजार है जब मन की बात के जरिए तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी का पहला संबोधन क्या होगा? (हि.स.)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

रोगों के 'चक्र' से निजात दिलाएगा 'चक्रासन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर/दक्षिण भारत। योगशास्त्र में एक योगासन ऐसा है, जो कई रोगों के चक्र से निजात दिला सकता है। इसका नाम है- चक्रासन। हालांकि इसे यह नाम एक विशेषता के कारण मिला है। जब कोई व्यक्ति चक्रासन करता है तो उसके शरीर का आकार चक्र यानी पहिए जैसा हो जाता है। अंग्रेजी में इसे व्हील पोज योग कहते हैं। इस आसन को करना थोड़ा कठिन माना जाता है। कुछ दिनों तक अभ्यास से पेट संबंधी कई रोग दूर होते हैं। यह रीढ़ की हड्डी के लिए भी अच्छा माना जाता है। इसके अलावा यह शरीर में ऊर्जा के संचार को बढ़ा देता है।

कैसे करें चक्रासन?

- सबसे पहले पीठ के बल लेटें। अब घुटनों को मोड़ लें।
- जितना संभव हो अपनी एड़ियों को नितंबों के पास ले जाएं।
- अब हाथों को ऊपर उठाएं। फिर उन्हें धीरे-धीरे पीछे ले जाएं।
- उसके बाद हथेलियों को जमीन पर रखें। पैरों के साथ हथेलियों पर वजन डालते हुए शरीर को ऊपर उठाएं।
- ध्यान रखें कि कंधों पर वजन आना, इसलिए दोनों तरफ संतुलन बनाते हुए शरीर को ऊपर खींचें।

कुछ दिनों तक अभ्यास के बाद इसमें पारंगत हो सकते हैं



- अब इसी स्थिति में कुछ समय तक रहें।
- जब पूर्व स्थिति में लौटना हो तो जल्दबाजी न करें।
- पहले पांवों और हाथों पर वजन कम करते हुए पीठ को नीचे लाएं।
- जब पीठ पूरी तरह टिक जाए तो पांवों और हाथों को ढीला छोड़ते हुए पूर्व स्थिति में आ जाएं।
- इस योगासन को एक बार में दो से चार बार किया जा सकता है।
- होते हैं ये फायदे
- चक्रासन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।
- यह पाचन क्षमता बढ़ाने में विशेष सहायक है। इससे कब्ज की समस्या दूर होती है।
- इसका नियमित अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी को बल मिलता है।
- यह एकाग्रता और नेत्रज्योति बढ़ाने में प्रभावी है।
- चक्रासन से रक्त परिसंचरण सुधरता है।

सावधानियों का पालन करना जरूरी

- जल्दबाजी में योगासन न करें। अगर योगाभ्यास के दौरान शरीर को ऊपर खींचने में दिक्कत हो तो ज्यादा जोर न लगाएं।
- जिनकी रीढ़ की हड्डी या पेट का ऑपरेशन हुआ है, वे लोग यह आसन न करें।
- बहुत थकान की स्थिति में चक्रासन न करें।
- गर्भवती महिलाओं को इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

ये योगासन रखेंगे आपके दिल का ख़ास खयाल

बेंगलूर/दक्षिण भारत। शरीर में रक्त परिसंचरण बनाए रखने और हर हिस्से में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों के संतुलन को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार अंगों में से एक है- हमारा हृदय। इन दिनों एथेरोस्क्लेरोसिस के जोखिम से लेकर हृदय रोगों तक, ऐसी बहुत-सी जटिलताएं पनप रही हैं, जो हृदय को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित कर सकती हैं। हाल में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि खराब जीवनशैली के कारण उन लोगों में भी दिल के दौर और स्ट्रोक की आशंका होती है, जिनकी उम्र 40 साल से कम हो। दो दशक पहले युवाओं को दिल का दौरा पड़ने के मामले सुनने को नहीं मिलते थे। अब सोशल मीडिया पर आए दिन ऐसी खबरें पढ़ने को मिल रही हैं।

दिल की सेहत सुधारना चाहते हैं तो सबसे पहले जरूरी है कि 'दिल की सुन'! जी हां, हृदय रोगों की आशंका उन लोगों में ज्यादा होती है, जिनकी दिनचर्या प्रकृति के विरुद्ध है। अधिक तला हुआ और ज्यादा मसालों से युक्त गरिष्ठ भोजन, देर रात तक जागना, सुबह देर तक सोना, अत्यधिक चिंता, तनाव, अवसाद... ये ऐसे कारक हैं, जो किसी युवा के दिल को भी बीमार बना सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि हृदय संबंधी जटिलताओं से होने वाली आसन हानि को रोकने में भी सहायक होता है। रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देने से लेकर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को अनुकूल बनाने तक, योग हृदय स्वास्थ्य के लिए काफी प्रभावी है।

बता दें कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए योग कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। इसके साथ प्रकृति के अनुकूल दिनचर्या होनी चाहिए। खानपान संबंधी स्वस्थ आदतों का पालन करना और मानसिक शांति का होना जरूरी है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए कुछ खास योगासन हैं। इनका अभ्यास किसी अनुभवी योग प्रशिक्षक के निर्देशानुसार करना चाहिए- ताड़सन, उक्तसन, चक्रासन, सर्वांगासन, अधोमुख धानासन, हलासन, पश्चिमोत्तानासन, भुजंगासन, इसके अलावा अनुलोम-विलोम प्राणायाम लाभदायक होता है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर, रक्तचाप और ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है, जिससे हृदय रोग का जोखिम कम होता है। इससे हृदय की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। नौद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।



इज़राइल में योग की धूम: 'शालोम' की धरती पर गूंज रहा 'ऊँ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर/दक्षिण भारत। इज़राइल को महान वैज्ञानिकों और योद्धाओं की भूमि माना जाता है। बंजर और पथरीले इलाके को अपनी कड़ी मेहनत और सूझबूझ से उपजाऊ बनाने वाले इज़राइली योग में भी पारंगत होते जा रहे हैं। इज़राइल में योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा की लोकप्रियता बढ़ रही है। यहां हर साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बड़ी संख्या में लोग योग करते हैं। दैनिक योगाभ्यास करने वालों की संख्या भी लाखों में है। चूंकि इज़राइली जब एक-दूसरे से मिलते हैं तो अभिवादन के तौर पर 'शालोम' कहते हैं। अब योगाभ्यास करने वाले की संख्या बढ़ने पर वहां 'ऊँ' का उच्चारण भी सुनने को मिलता है। इसलिए कहा जाता है कि 'शालोम' की धरती पर 'ऊँ'।

इज़राइल की कई स्कूलों में पहली कक्षा के बच्चे भी जानने लगे हैं कि प्राणायाम क्या है और सूर्य नमस्कार कैसे किया जाता है। यहां स्कूलों से लेकर दफ्तरों और सैन्य संस्थानों में योगाभ्यास करते लोग देखे जा सकते हैं। चूंकि इज़राइल का फिलरतीन, ईरान समेत कई देशों



और हमारा जैसे संगठनों के साथ छत्तीस का आंकड़ा है और यहां आए दिन सैन्य झड़पें होती रहती हैं, इसलिए सुरक्षा बलों से जुड़े लोग बहुत तनाव महसूस करते हैं। वे योग की शरण में तो जाते ही हैं, जब उन्हें समय मिलता है, भारत के आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करते हैं। हर साल लद्दाख के ध्यान केंद्रों और मठों में कई इज़राइली आते हैं।

इज़राइल में योग कक्षाओं में जाने वाले योगप्रेमियों की संख्या बढ़ती जा रही है। यहां हिब्रू और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में कक्षाएं जारी हैं। इसके अलावा जो लोग पर्यटन के उद्देश्य से इज़राइल आते हैं, वे भी इन कक्षाओं में भाग

लेते हैं। एक इज़राइली योगी के शब्दों में - 'मेरे बेसमेंट स्टूडियो में, हम एक-दूसरे के आगने-सामने बैठे, आंखें बंद कीं, गहरी सांस ली और 'ऊँ' का जाप किया, एक कंपनयुक्त, शांत करने वाली ध्वनि, जो ब्रह्मांड की सभी ध्वनियों का प्रतिनिधित्व करती है।' इज़राइल में योग के अभ्यास पर कोई सटीक संख्या या अध्ययन उपलब्ध नहीं है। इज़राइली योग शिक्षक संघ के लंबे समय से सदस्य गिलाद हारोवी का अनुमान है कि इज़राइल में लगभग 3,70,000 योगाभ्यासी हैं। वहीं, कुछ इज़राइली योग शिक्षकों का अनुमान है कि कुल संख्या 5,00,000 से भी ज्यादा है।

आपके बारे में क्या कहता है 'योगा मैट' का रंग?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर/दक्षिण भारत। क्या आप जानते हैं कि किसी खास रंग की ओर आकर्षित होने के पीछे भी कोई कारण होते हैं? ऐसा देखने को मिलता है कि कोई रंग एक व्यक्ति को अच्छा लगता है, लेकिन वह दूसरे को कम अच्छा या अनाकर्षक लग सकता है। 'योग मैट' का रंग भी बहुत कुछ कहता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि रंग हमारे मूड को प्रभावित करते हैं। आज बाजार में हरी, बैंगनी, लाल के साथ ही बहुरंगी पैटर्न वाली मैट आसानी से उपलब्ध हैं। इसलिए उस रंग की मैट लेनी चाहिए, जो आपके मूड, ऊर्जा स्तर और मानसिक शांति के अनुकूल हो।

हरा

हरा रंग आंखों को शीतलता और मन को शांति देता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लेकर जाता है। हरे रंग की योगा मैट यह एहसास दिलाएगी कि आप प्रकृति के करीब जा रहे हैं। हरी मैट सुख, शांति, स्फूर्ति देने वाली होती है। यह योगासन के जरिए तन और मन में ताजगी लाएगी।

लाल

लाल रंग ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक

होता है। यह चित्त को स्फूर्ति देता है। इस रंग की योगा मैट पसंद करने वाले लोग दृढ़ निश्चयी और स्थिर स्वभाव के होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लाल योगा मैट पर अभ्यास शक्ति देगा, लेकिन मानसिक शांति के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

नारंगी

यह ऐसा रंग है, जो ध्यान को काफी आकर्षित करता है। यह साहस और त्याग का भी प्रतीक है। इस रंग की योगा मैट पर योग का अभ्यास करना साहस जगाएगा और आनंद को भी बढ़ाएगा। नारंगी योगा मैट रचनात्मकता बढ़ाती है। यह आशावाद और सकारात्मकता जगाती है।

गुलाबी

गुलाबी रंग प्रेम का प्रतीक है। यह जुड़ाव पैदा करने वाला माना जाता है। इसलिए गुलाबी योगा मैट पर अभ्यास करने का मतलब है- आपको योग से प्रेम है और इसके साथ जुड़ाव गहरा होता जा रहा है। गुलाबी मैट समर्पण भाव पैदा करने में सहायक है। यह प्रतिबद्धता जाहिर करती है।

बैंगनी

बैंगनी रंग की योगा मैट बहुत सुंदर लगती है। यह आपके योगाभ्यास में भव्यता लाती है।

साथ ही आपकी उपस्थिति को खास बनाती है। यह रंग शक्ति और स्थिरता का संयोजन होता है। यह आकर्षक और रहस्यमय भी होता है। बैंगनी रंग भविष्य, कल्पना और धर्मपरायणता का प्रतीक है।

नीला

नीला रंग आरामदेह माना जाता है। यह शांति और सुकून लाता है। इस रंग की योगा मैट काफी पसंद की जाती है। यह व्यापकता और गहराई का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें जल तत्व का समावेश होता है। इसे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। जिन्हें मानसिक शांति चाहिए, वे इस रंग की मैट पर अभ्यास कर सकते हैं।



फिल्म 'एक बहू ऐसी भी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वर्ल्डवाइड फिल्मस प्रोडक्शन और मैडज़ मूवीज प्रेजेंट भोजपुरी फिल्म एक बहू ऐसी भी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म एक बहू ऐसी भी, सास और बहू के रिश्तों की कहानी पर आधारित है। इसमें रिचा दीक्षित केन्द्रीय भूमिका में नजर आ रही हैं, जो एक बहू के किरदार में हैं। फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह, विनय सिंह, समीर आफताब, मोनिका सिंह और

प्रतीक सिंह हैं, जबकि निर्देशक प्रवीण कुमार गुड्डरी हैं। फिल्म एक बहू ऐसी भी का ट्रेलर एंटर 10 रंगीला से रिलीज हुआ है। निर्माता प्रदीप सिंह ने कहा कि फिल्म एक बहू ऐसी भी एक शासनवादी कहानी पर बनी है। इस फिल्म के जरिये हम दर्शकों को स्वस्थ मनोरंजन के साथ कला की बेजोड़ कृति पेश करने जा रहे हैं। इस फिल्म को सभी अपने परिवारों के साथ देखें इससे पूर्व अभी फिल्म का ट्रेलर देखें, जो आपको फिल्म की एक झलक से

रुबरु कराने वाली है। फिल्म एक बहू ऐसी भी रिचा दीक्षित के साथ अशुमान सिंह, रितेश उपाध्याय, निशा सिंह, मनोज टाडगर, अरदा नवल, सोनिया मिश्रा, रिंकू भारती, संतोष श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र राय मुख्य भूमिका में हैं। लेखक इंद्रजीत एस कुमार हैं। संगीतकार साजन मिश्रा हैं। गीत दुर्गेश भट्ट, छायांकन माही शेरला का है। संकलन गुजर्त सिंह और नृत्य कानू मुखर्जी एवं सोनू का है।



फिल्म 'कलयुगी ब्रह्मचारी 2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार अरविंद अकेला कलू और अभिनेत्री रुचा दीक्षित की भोजपुरी फिल्म 'कलयुगी ब्रह्मचारी 2' का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। अनिल कुमार उपाध्याय निर्मित-निर्देशित कलयुगी ब्रह्मचारी 2 के ट्रेलर में अरविंद अकेला कलू और रुचा दीक्षित के बीच मजेदार और रोमांचक केमेस्ट्री देखने को मिल रही है। इस फिल्म के ट्रेलर को लेकर अरविंद अकेला कलू बहुत ही एक्साइटेड हैं।

उन्होंने कहा कि फिल्म भोजपुरी फिल्म 'कलयुगी ब्रह्मचारी 2' बहुत ही फुल इंटरेनिंग है, इसका ट्रेलर कमर्शियल और मजेदार है। इस फिल्म में अनिल उपाध्याय जी के साथ काम करके बहुत मजा आया है। मेरी और रुचा जी की जोड़ी शानदार होने वाली है, जो हर किसी को बहुत पसंद आएगी। इस फिल्म में मेरी भूमिका

कोरियोग्राफर राम देवन, एक्शन मास्टर दिनेश यादव, आर्ट डायरेक्टर अमरनाथ गुप्ता, एडीटर हरिहर सिंह, काट्यूम डिजाइनर कविता सुनीता हैं। बैकग्राउण्ड म्यूजिक वैभव राजू, विजुअल प्रोमोशन अरुण डी यादव का है।



दलाई लामा से मुलाकात के लिए धर्मशाला पहुंचा अमेरिकी संसद का शिष्टमंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष माइकल मैककॉल के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात करने के लिए मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला पहुंचा। मैककॉल के अलावा शिष्टमंडल में अमेरिकी संसद के छह और प्रमुख सदस्य शामिल हैं जिनमें

- नैन्सी पेलोसी, मैरिनेट मिलर, ग्रेसी मीक्स, निकोल मैलिगोटैकिस, जिम मैकगवर्न और एमी बेरा शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि शिष्टमंडल यहां दो दिवसीय दौरे पर हैं और बुधवार सुबह दलाई लामा से मुलाकात करेगा। मैककॉल ने यहां गमगल हवाई अड्डा पर पहुंचने के बाद इस दौरे को लेकर उत्साहित व्यक्त करते हुए कहा, 'हम दलाई लामा से मिलने और कई चीजों पर बात करने को लेकर उत्साहित हैं, जिनमें अमेरिकी संसद द्वारा पारित विधेयक

भी शामिल है, जिसमें मूल रूप से कहा गया है कि अमेरिका, तिब्बत के लोगों के साथ खड़ा है।' यह पूरे जाने पर कि क्या अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस विधेयक पर हस्ताक्षर करेंगे मैककॉल ने कहा, 'हां, यह करेंगे।' सूचना एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग की निवासित तिब्बती मंत्री डोलामा शेरिंग सहित केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के उच्चस्तरीय अधिकारियों ने हवाई अड्डा पर शिष्टमंडल का स्वागत किया।

दीवाली पर सिंघम अगेन और 'भूल भुलैया 3' की बॉक्स ऑफिस पर होगी टक्कर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 दीवाली के अवसर पर बॉक्स ऑफिस पर टकराएंगी। रोहित शेट्टी ने अपनी आने वाली फिल्म सिंघम अगेन की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। अजय देवगन, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर की मुख्य भूमिका वाली सिंघम अगेन पहले इस वर्ष 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह फिल्म दीवाली पर रिलीज होगी। कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 भी दीवाली के

अवसर पर रिलीज हो रही है। अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन की मुख्य भूमिका होगी। बॉक्स ऑफिस पर 'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' के होने वाले क्लेश पर निर्देशक अनीस बज्मी ने रिप्लेट किया है। अनीस बज्मी ने कहा कि फिल्मों के बीच टकराव कभी भी अच्छा नहीं होता। हम भूल भुलैया 3 की रिलीज डेट एक साल पहले ही अनाउंस कर चुके थे। मैं नहीं जानता कि क्या करें अभी। जब क्लेश होता है, तो लगभग सभी फिल्मों पर उसका असर पड़ता है।

'द टूनाइट शो' में नजर आये दिलजीत दोसांझ

मुंबई/भाषा। अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ लोकप्रिय अमेरिकी चैट शो द टूनाइट शो विद जिमी फॉलन में नजर आये। दोसांझ वर्तमान में उत्तरी अमेरिका के दौरे पर हैं। यह 'दिल-लुमिनाती' नामक एक 'दूर' पर हैं। यह अमेरिकी नेटवर्क एनबीसी पर प्रसारित होने वाले शो के सोमवार के एपिसोड में दिखाई दिए। मेजबान जिमी फॉलन ने शो में दोसांझ का स्वागत करते हुए कहा, आप हमारे अगले अतिथि को उनके दिल-लुमिनाती दूर पर देख सकते हैं।

संसद में प्रियंका की मौजूदगी से कांग्रेस को लाभ होगा : थरुन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरुन ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा में प्रियंका गांधी की मौजूदगी से विपक्षी दलों को मजबूती मिलेगी और गायनाड के लोगों को संसद में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक बहुत मजबूत व्यक्ति मिलेगा। थरुन ने नेय्याडिनकारा विधानसभा क्षेत्र में अपने 'आभार जताने' के अभियान के दौरान 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि प्रियंका चुनाव प्रचार के दौरान बहुत प्रभावी वक्ता रही हैं और उन्हें खुशी है कि उन्होंने केरल

से चुनावी राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि राहुल जी को रायबरेली सीट अवश्य ही अपने पास रखना चाहिए, यह उत्तर प्रदेश और सामान्य रूप से उत्तर भारत के लोगों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण संकेत है।' खुले वाहन में सवार होकर निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करते हुए मतदाताओं का आभार व्यक्त कर रहे थरुन ने कहा, साथ ही, यह (राहुल) यह भी महसूस नहीं करना चाहते थे कि वह गायनाड के लोगों को छोड़ रहे हैं... और इसे अपनी बहन को सौंपना बेहतर है।

प्रसिद्ध कन्नड़ साहित्यकार प्रधान गुरुदत्त से मिलने का सौभाग्य मिला : पाराशर

श्रीकांत पाराशर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलवार को मुझे बहुभाषी विद्वान व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. प्रधान गुरुदत्त से मिलने का सौभाग्य मिला और इसका श्रेय राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरयो को जाता है। उन्होंने 86 वर्षीय ऐसी शख्सियत से मिलाया कि दिल बाग बाग हो गया। मैसूर निवासी डा. प्रधान गुरुदत्त मैसूर विश्वविद्यालय के कुयेमु कन्नड़ अध्ययन संस्थान (रनातकोत्तर अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग) में प्राध्यापक रहे हैं। उन्होंने मैसूर विश्वविद्यालय से एम.ए. (कन्नड़), एम.फिल. (अनुवाद) तथा पीएच.डी. (हिन्दी) की उपाधियाँ प्राप्त की हैं। तुलनात्मक अध्ययन एवं अनुसंधान, आलोचना और अनुवाद उनकी विशेष रुचि के विषय हैं। केन्द्रीय साहित्य अकादमी के पुरस्कार विजेताओं से सम्बन्धित आलोचनात्मक ग्रन्थों की मालिका 'नव कर्नाटक साहित्य सम्पदा' का उन्होंने सम्पादन किया है। अंग्रेजी, हिन्दी और कन्नड़ में उनके द्वारा रचित मौलिक, अनूदित, सम्पादित तथा आलोचनात्मक ग्रन्थों की संख्या 300 से ज्यादा है। मैसूर विश्वविद्यालय के 'सुवर्ण महोत्सव अनुसंधान पुरस्कार' से लेकर भारत सरकार के 'हिन्दीतर भाषी



हिन्दी लेखक पुरस्कार' तथा 'साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार' सहित कई पुरस्कारों से आप सम्मानित किए जा चुके हैं। कन्नड़ के प्रथम 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' विजेता प्रख्यात साहित्यकार कुयेमु जी के 'श्री रामायण दर्शनम' का हिन्दी अनुवाद प्रधान गुरुदत्त ने किया जिसका विमोचन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया।

नई सहस्राब्दी के प्रथम महाकाव्य होने का सम्मान जिसको प्राप्त हुआ है, वीरप्पा मोइली के उस 'श्रीरामायण



विमल धारीवाल बने तेयुप बेंगलूरु के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु की 41वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। अध्यक्ष रजत बंद ने स्वागत करते हुए सत्र 2023-24 में हुए विशिष्ट कार्यक्रमों का उल्लेख किया। सहमंत्री मनोज पोकरण ने गत बैठक की कार्यवाही का वाचन किया। मंत्री रोहित कोठारी ने प्रगति प्रतिवेदन की प्रस्तुति दी।



भारतीय परंपरा एवं संस्कृति में योग का अमूल्य योगदान है : राज्यपाल

मैसूर एनसीईआरटी द्वारा आयोजित किया गया राष्ट्रीय योग ओलंपियाड-2024

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूर। 'योग प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति और परंपराओं में शामिल रहा है। योग का महत्व हमारे शास्त्रों में वर्णित है जो आज पूरी दुनिया का हिस्सा है, यही कारण है कि भारत को योग का गुरु माना जाता है।' यह विचार क्षेत्रीय शैक्षणिक संस्थान, एनसीईआरटी, मैसूर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय योग ओलंपियाड-2024 के उद्घाटन थावरचंद गहलोत ने व्यक्त किए। योग करने से हम शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से शांत और भावनात्मक रूप से संतुष्ट होते हैं। योग शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने का एक शानदार तरीका है। योग भारतीय परंपरा और संस्कृति का एक बहुमूल्य योगदान है। स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो की धर्म संसद में योग की विशेषताओं का उल्लेख किया और पूरे विश्व को योग से परिचित कराया।

राज्यपाल ने बताया कि 27 सितंबर 2014 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया के सभी देशों से योग को अपनाने का आह्वान किया और प्रस्ताव दिया कि हर साल योग दिवस मनाया जाना चाहिए। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा केवल 90 दिनों में अपनाया और कार्यान्वित किया गया। तभी से देश और दुनिया में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाने लगा। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय महिला सशक्तिकरण के लिए योग है। योग महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए एक समग्र उपकरण है। योग में हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रखने की शक्ति है। योग हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में

उपाध्यक्ष आलोक कुंडलिया, विवेक मरोठी, सहमंत्री सदीप चौपड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप चौपड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए। चुनाव अधिकारी दिनेश पोखरण ने सत्र 2024-25 के अध्यक्ष के रूप में विमल धारीवाल के नाम की घोषणा की। सभी ने नव मनोनीत अध्यक्ष का स्वागत सम्मान किया।



भारतीय परंपरा एवं संस्कृति में योग का अमूल्य योगदान है : राज्यपाल

मैसूर एनसीईआरटी द्वारा आयोजित किया गया राष्ट्रीय योग ओलंपियाड-2024

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूर। 'योग प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति और परंपराओं में शामिल रहा है। योग का महत्व हमारे शास्त्रों में वर्णित है जो आज पूरी दुनिया का हिस्सा है, यही कारण है कि भारत को योग का गुरु माना जाता है।' यह विचार क्षेत्रीय शैक्षणिक संस्थान, एनसीईआरटी, मैसूर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय योग ओलंपियाड-2024 के उद्घाटन थावरचंद गहलोत ने व्यक्त किए। योग करने से हम शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से शांत और भावनात्मक रूप से संतुष्ट होते हैं। योग शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने का एक शानदार तरीका है। योग भारतीय परंपरा और संस्कृति का एक बहुमूल्य योगदान है। स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो की धर्म संसद में योग की विशेषताओं का उल्लेख किया और पूरे विश्व को योग से परिचित कराया।

राज्यपाल ने बताया कि 27 सितंबर 2014 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया के सभी देशों से योग को अपनाने का आह्वान किया और प्रस्ताव दिया कि हर साल योग दिवस मनाया जाना चाहिए। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा केवल 90 दिनों में अपनाया और कार्यान्वित किया गया। तभी से देश और दुनिया में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाने लगा। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय महिला सशक्तिकरण के लिए योग है। योग महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए एक समग्र उपकरण है। योग में हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रखने की शक्ति है। योग हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में

इक्कीस दिवसीय प्राकृत कार्यशाला में आरंभ 12 प्रदेशों के विद्यार्थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नई दिल्ली के केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं आचार्यश्री अकलक एजुकेशनल ट्रस्ट, अरिहंतगिरि के संयुक्त तत्वावधान में इक्कीस दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ होगा। उद्घाटन समारोह 20 जून को भद्राकर धवलकीर्ति स्वामी की निश्रा में होगा। कन्नड़ विश्वविद्यालय, हंपी (कर्नाटक) के

प्रो. एस.पी. पंचप्रसाद मुख्य अतिथि एवं विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन (प. बंगाल) के प्रो. जगतराम भट्टाचार्य विशेष अतिथि होंगे। साहित्यकार डॉ. दिलीप धीम सास्वत अतिथि होंगे। कवि डॉ. धीम तमिलनाडु की समृद्ध जैन विरासत तथा तमिल-प्राकृत संबंध पर व्याख्यान देंगे। प्रगत धीम प्राकृत गाथाओं के साथ हिंदी काव्यपाठ करेंगे।

विश्वविद्यालय के प्राकृत विकास अधिकारी डॉ. धर्मन्द्रकुमार जैन ने बताया कि तिरुवनामलै

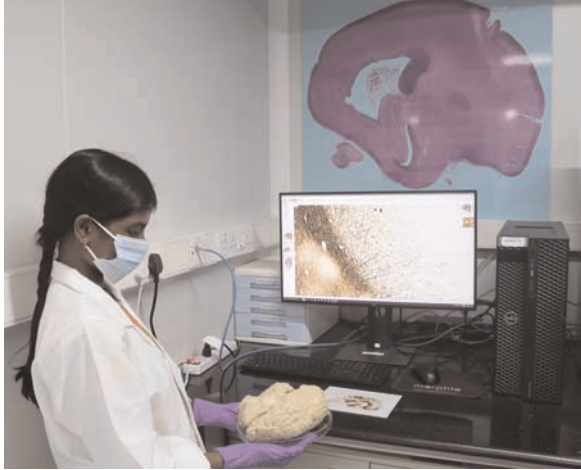
जिले में प्राचीन तीर्थ तिरुमलै स्थित अरिहंतगिरि में 10 जुलाई तक यह प्राकृत कार्यशाला चलेगी। इसमें तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू कश्मीर, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उड़ीसा और दिल्ली के लगभग चार दर्जन विद्यार्थी भाग लेंगे, जिन्हें सत प्रदेशों के नौ प्राध्यापक प्राकृत भाषा सिखाएंगे। शोध एसोसिएट सतेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि यह कार्यशाला पाली-प्राकृत योजना के अंतर्गत संचालित है।

आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र ने मस्तिष्क अनुसंधान के लिए 41 करोड़ का अनुदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र प्रेमवत्स द्वारा स्थापित एक अग्रणी कनाडाई वित्तीय कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड अपनी ओर से 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 41 करोड़ रुपये) के अनुसंधान अनुदान के माध्यम से आईआईटी मद्रास के सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर की अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने जा रही है। ज्ञातव्य है कि वी. प्रेम वत्स, जिन्होंने 1971 में आईआईटी मद्रास से केमिकल इंजीनियरिंग में प्रथम श्रेणी की डिग्री प्राप्त की थी, को 1999 में विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया। सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर को मार्च 2022 में लॉन्च किया गया था, ताकि अमृतपूर्व मानव मस्तिष्क डेटा, वैज्ञानिक आउटपुट और प्रौद्योगिकी उपकरण उत्पन्न करके सेलुलर स्तरों पर मानव मस्तिष्क की छवि बनाने की महत्वाकांक्षी वैश्विक परियोजना को शक्ति मिल सके।

इस केंद्र में चल रहे शोध की सराहना करते हुए फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड के संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रेम वत्सा ने कहा, आईआईटीएम के सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर में काम की गुणवत्ता और टीम की प्रतिबद्धता वास्तव में उत्कृष्ट है। उन्होंने जो प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो मानव मस्तिष्क की



उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली छवि मात्रा उत्पन्न करता है, वह बहुत ही अनूठा है। मानव मस्तिष्क के बारे में हमारे ज्ञान को आगे बढ़ाने, ऐसी अंतर्दृष्टि विकसित करने में इसका दूसरागी प्रभाव है, जो अत्यधिक चुनौतीपूर्ण मस्तिष्क रोगों के समाधान की ओर ले जाएगा। प्रेम वत्सा ने कहा कि इस विशाल जटिलता से निपटने के लिए, वे दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में मस्तिष्क शोधकर्ताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। फेयरफैक्स इस अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास कार्य का समर्थन करके प्रसन्न है। आईआईटी मद्रास सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर ने एक विश्व स्तरीय हाई-थ्रूपुट हिस्टोलॉजी पाइपलाइन विकसित की है जो पूरे मानव मस्तिष्क को डेटाबाइट-स्केल पर उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिजिटल छवियों में संसाधित करती है। विभिन्न प्रकार और उम्र के मानव

मस्तिष्क के ये अद्वितीय प्रथम श्रेणी के डेटा सेट मानव मस्तिष्क का एक अमूल्य उच्च-रिज़ॉल्यूशन दृश्य प्रदान करते हैं जो पूरे मस्तिष्क में सेलुलर स्तर के विवरण प्रकट करते हैं। इस डेटा का अध्ययन नए ज्ञान और खोज के लिए विश्व स्तर पर अग्रणी तंत्रिका विज्ञान विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा, इंपोसिस के सह-संस्थापक और आईआईटी मद्रास के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र क्रिस गोपालकृष्णन, जिन्होंने केंद्र की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने कहा, मैं आईआईटी मद्रास में ब्रेन सेंटर में उनके योगदान के लिए प्रेम वत्स की सराहना करता हूँ। इससे केंद्र को विभिन्न परोपकारी और सीएसआर फंडों से पहले से ही मिल रहे समर्थन में वृद्धि होगी और केंद्र को मानव मस्तिष्क एटलस पर अपने शोध को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स तृतीय ने भारतीय मूल के प्रोफेसर को सम्मानित किया

संन/भाषा।

भारतीय मूल के मस्तिष्कशास्त्र विशेषज्ञ एवं केंब्रिज विश्वविद्यालय में एनेथीसिया के एक प्रोफेसर को ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स तृतीय द्वारा तंत्रिका संबंधी देखभाल में सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया है। केंब्रिज विश्वविद्यालय में एनेथीसिया विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डेविड क्रूण मेन्न को समाहान्त में 75 वर्षीय चार्ल्स तृतीय द्वारा अपने वार्षिक जन्मदिन सम्मान सूची में 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' (सीबीई) से सम्मानित किया गया।